● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 148, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 07 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सीएम सुक्खू को अनुराग की चेतावनी 5

सूर्यकुमार के कैच पर बोले रोहित शर्मा 6

भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के समान माना गया है : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक पेड़ माँ के नाम-वृहद पौध-रोपण अभियान का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के समान माना गया है। वनस्पति के साथ-साथ नदी, पहाड़ आदि को जीवंत मानना हमारी संवदेनशील सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान में सरकार ने भी प्रदेश में वृहद पौध-रोपण का संकल्प लिया है। इस क्रम में प्रदेश में पाँच करोड़ 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। इंदौर में 51 लाख, भोपाल और जबलपुर जिले में 12-12 लाख पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जंबूरी मैदान पर आयोजित

एक पेड़ मां के नाम-वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नेदीप प्रज्वलित कर एवं अपनी माताजी स्व. श्रीमती लीला बाई यादव की स्मृति में पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने जंबूरी मैदान में आँवले का पौधा लगाया। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता पर बनाए गए चित्रों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि अंग्रेजों के बंग-भंग के षड़यंत्र और कश्मीर की समस्या का पूर्वानुमान लगाकर देश को सचेत करने में डॉ. मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौध-रोपण अभियान में विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस द्वारा सक्रिय रूप से भाग लेने की सराहना करते हुए कहा कि सम्पूर्ण प्रदेश में पौध-रोपण के लिए लोग उत्साहित हैं और वे स्वयं पौधरोपण के लिए आगे आ रहे हैं।

महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि भोपाल नगर निगम ने वृहद पौध-रोपण अभियान के अंतर्गत एक लाख 20 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। आज के अभियान में जनभागीदारी से 26001 पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए आरंभ जल-गंगा अभियान के अंतर्गत भोपाल शहर के 12 जलाशयों से 128 डम्पर गाद निकाला गया तथा 54 बावड़ियों और 42 कुंओं के संरक्षण का कार्य किया गया। सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुरूप, अपनी माँ के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल भी करें।

सहकारिता मंत्रालय से करोड़ों लोगों को हुआ फायदा : शाह

गृह मंत्री ने की पीएम की तारीफ, कई सालों की मांग को प्रधानमंत्री ने किया पूरा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- साल 2021 में आज के ही दिन प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता क्षेत्र को और मजबूत बनाने के लिए सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर गुजरात में सहकार से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। अपने संबोधन में गृह और सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कई सालों से अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन की मांग की जा रही थी। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा

करना उचित नहीं समझा। वहीं हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता विभाग की जरूरत को समझा और एक अलग मंत्रालय का गठन किया। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि हम सभी इसके लिए करतल ध्वनि से प्रधानमंत्री को साधुवाद दें। गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आगे कहा कि सहकारिता मंत्रालय के अस्तित्व में आने से लेकर आज तक सहकार से समृद्धि के संकल्प के साथ यह मंत्रालय देश के करोड़ों सहकारी बहनों-भाइयों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। इस मंत्रालय ने सहकारी क्षेत्र को तकनीक संपन्न बनाकर न केवल अत्याधुनिक बनाया है, बल्कि 54 से अधिक इनिशिएटिव्स से सहकारिता के पूरे तंत्र को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा का महत्त्वपूर्ण भागीदार बनाया है। देश के सहकारी तंत्र को मंत्रालय की स्थापना से नया जीवन देने के लिए मैं सभी सहकारी बहनों-भाइयों की ओर से मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं। वहीं गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री ने नैनो यूरिया को लेकर बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

जैसे हमारा कार्यालय तोड़ा, वैसे हम उनकी सरकार तोड़ेंगे : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी फिलहाल गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार यानी की आज वह अहमदाबाद पहुंचे। राहुल आज राजकोट गेम जोन अग्निकांड के पीड़ितों से मुलाकात की। इसके अलावा वह अहमदाबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगे।

अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। साथ में उन्होंने गुजरात में कांग्रेस की खामियों पर भी बात की। कांग्रेस सांसद ने कहा, जिस तरह से उन्होंने हमारा कार्यालय तोड़ा, उसी तरह हम उनकी सरकार तोड़ने जा रहे हैं। गुजरात कांग्रेस में कमियां है। यहां दो तरह के घोड़े हैं। एक का इस्तेमाल दौड़ के लिए और दूसरे का इस्तेमाल शादी के लिए किया जाता है। कांग्रेस रेस के घोड़े को शादी में और शादी के घोड़े को रेस में लगा देती है। पिछले चुनावों में हमनें भाजपा के खिलाफ ठीक से चुनाव नहीं लड़ा। 2017 में हमने तीन महीनों के लिए काम किया थी जिसका परिणाम अच्छे आए थे। अब हमारे पास तीन साल है। हम फिनिशिंग लाइन को पीछे छोड़ देंगे। आप 30 साल बाद गुजरात में जीतने वाले हैं। मैं और मेरी बहन आपके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, भाजपा की पूरी मूवमेंट राम मंदिर, अयोध्या की थी। शुरुआत आडवाणी जी ने की थी, रथयात्रा की थी।

कहा जाता है नरेंद्र मोदी जी ने उस रथयात्रा में आडवाणी जी की मदद की थी। मैं संसद में सोच रहा था कि उन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की और प्राण प्रतिष्ठा में अदाणी-अंबानी जी दिख गए लेकिन गरीब व्यक्ति नहीं दिखा। संसद में मैंने अयोध्या के सांसद से पूछा कि, ये भाजपा ने अपनी पूरी राजनीति चुनाव के पहले इन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की।

अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण रोकी गई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा शनिवार (6 जुलाई) को रोक दी गई है। पवित्र गुफा तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल, दोनों रूट पर कल रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। यात्रियों को वापस उनके बेस कैंप भेजा जा रहा है। मौसम में सुधार के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। 29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 3,800 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में अब तक 1.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

मुख्य आरोपी और एक अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

हाथरस। हाथरस हादसे में इनामी मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य गिरफ्तार आरोपी संजू यादव को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तीसरे गिरफ्तार आरोपी को बाद में पेश किया जाएगा। हाथरस हादसे में गिरफ्तार मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य आरोपी संजू यादव का जिला अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जय हिंद कुमार सिंह के न्यायालय में देव प्रकाश मधुकर व संजू यादव को पेश किया गया। कोर्ट ने दोनों

को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। तीसरे गिरफ्तार आरोपी राम प्रकाश शाक्य को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका, उसे कल 7 जुलाई को पेश किया जाएगा। 5 जुलाई की देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद हाथरस हादसे के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर से पुलिस ने पूछताछ की। आज उसे पुलिस मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। मधुकर के मेडिकल परीक्षण के दौरान जिला अस्पताल में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इससे पहले 2:00 बजे पुलिस मधुकर को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी, लेकिन मीडिया का भारी जमावड़ा होने के चलते कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई। दोबारा 15 मिनट बाद पुलिस मुख्य आरोपी मधुकर को मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंची।

कश्मीर के कुलगाम में 2 जगह सुरक्षाबलों-आतंकियों में मुठभेड़ जारी

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में शनिवार (6 जुलाई) सुबह से आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। शाम होते-होते अब कुलगाम के ही फ्रिसल गांव के चिंगम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ज्वाइंट ऑपरेशन चला रही है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। सामने आया कि सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबल जब चिंगम इलाके में पहुंचे थे तब आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी शुरू की थी।

सूरत में भरभरा कर गिरी छह मंजिला इमारत

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में आज दोपहर सचिन इलाके में एक छह मंजिला इमारत अचानक से भरभरा कर ढह गई। जिसमें कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है, जिसके बाद से राहत और बचाव अभियान जारी है।

सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने बताया, कि दोपहर करीब 3 बजे सचिन इलाके में एक छह मंजिला इमारत ढह गई। इस इमारत में रहने वाले कई लोग मलबे में फंसे हैं। पुलिस और दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। मलबे में दबी एक महिला को सफलतापूर्वक बचा लिया गया। इस इमारत के अंदर 30 फ्लैट में से 4-5 फ्लैट में कुछ लोग रह रहे थे और बाकी फ्लैट खाली थे। जब ये हादसा हुआ तो उस वक्त इमारत में रहने वाले कई लोग काम पर गए थे और कई लोग रात की शिफ्ट के बाद इमारत में सो रहे थे, जो फंस गए। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें काम कर रही हैं, अनुमान है कि मकान के मलबे में अभी भी 5-6 लोग फंसे हुए हैं।

न्यायिक जांच आयोग ने घटना स्थल का लिया जायजा

हाथरस। एसआईटी के बाद अब न्यायिक जांच आयोग की टीम हाथरस हादसे की जांच करने पुलिस लाइन पहुंच गई है। टीम ने पहुंचते ही पुलिस-प्रशासिनक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उसके बाद आयोग की टीम फुलरई मुगलगढ़ी में घटना स्थल पर पहुंची। टीम ने सिकंदराराऊ ट्रामा सेंटर को भी देखा।

2 जुलाई को हाथरस जनपद में सिकंदराराऊ के फुलरई-मुगलगढ़ी में साकार हरि बाबा के सत्संग उपरांत हुए हादसे की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग की टीम 12 बजे के लगभग हाथरस की पुलिस लाइन पहुंची। न्यायिक जांच आयोग की

टीम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव, पूर्व आईएएस हेमंत राव और पूर्व आईपीएस भवेश कुमार सिंह हैं।

पुलिस लाइन पहुंचते ही आयोग की टीम ने पुलिस-प्रशासनिक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में हाथरस डीएम, एसपी, सीएमओ, एडीएम, एसडीएम, एडीजी, एलआईयू आदि मौजूद रहे। वहां के बाद आयोग की टीम दोपहर 3:40 मिनट के लगभग घटना स्थल फुलरई मुगलगढ़ी पहुंची। पूरे घटना स्थल का निरीक्षण किया। सत्संग कार्यक्रम स्थल के सामने सड़क पार के खेत और उससे पहले गहराई को देखा। रिटायर्ड न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पूरा स्पॉट देखा कि किधर से आए, किधर से गए। कितनी भीड़ रही होगी। अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकाल पाएंगे। वह तो दो महीने में जो फाइंडिंग आएगी। जांच में जिस-जिस को बुलाने की जरूरत होगी, उसे बुलाया जाएगा। घटना स्थल पर 40 मिनट रहने के बाद टीम सिकंदराराऊ के ट्रामा सेंटर पहुंची जहां वह 10 मिनट रूकी। उसके बाद टीम हाथरस वापस लौट गई। शाम छह बजे से आठ बजे के मध्य अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन, मंडलायुक्त अलीगढ़, पुलिस महानिरीक्षक अलीगढ़ सहित अन्य अफसरों से मुलाकात व अभिलेखों का अवलोकन करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने की चिदंबरम के बयान की निंदा

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीन नए आपराधिक कानूनों का मसौदा अंशकालिक (पार्ट-टाइमर) लोगों ने तैयार किया था। धनखड़ ने कहा, सुबह जब एक राष्ट्रीय दैनिक में चिदंबरम के साक्षात्कार को पढ़ा तो मैं शब्दों से परे चौंक गया।

धनखड़ ने कहा, क्या हम संसद में पार्ट-टाइमर हैं? यह संसद की बुद्धिमता का अक्षम्य अपमान है। उन्होंने कहा, इस तरह की कहानी (नैरेटिव) को आगे बढ़ाया जा रहा है और एक सांसद को पार्ट-टाइमर के रूप में लेबल किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं उनसे (चिदंबरम) अपील करता हूं कि कृपया सांसदों के बारे में अपमानजनक और बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी वापस लें। धनखड़ भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, जब जानकार दिमाग जानबूझकर आपको भटकाते हैं, तो हमें सतर्क रहने की जरूरत है। धनखड़ ने कहा, आज सुबह जब मैंने एक अखबार को पढ़ा तो एक जानकार दिमाग, जो इस देश के वित्त मंत्री थे और लंबे समय तक सांसद रहे व वर्तमान में राज्यसभा के सदस्य हैं, ने मुझे चौंका दिया।

जिला चिकित्सालय इंदौर की बिल्डिंग का निर्माण कार्य 8 माह में पूर्ण किया जाए : शुक्ल

इंदौर। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने पं. गोविन्द बल्लभ पंत जिला चिकित्सालय इंदौर की निर्माणाधीन बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की विशेष प्राथमिकता है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्माणाधीन बिल्डिंग के नक्शे और डिजाइन का अवलोकन कर नक्शे के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी भी ली। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भवन की जी-प्लस वन बिल्डिंग का कार्य 2 माह में तथा पूरे भवन का निर्माण कार्य 8 माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गुना में सिंधिया का फिर दिखा तल्ख अंदाज, कलेक्टर को लगाई फटकार

गुना। मध्यप्रदेश के गुना जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना कलेक्टर पर नाराजगी जाहिर करते हुए नजर आ रहे हैं। वे कह रहे हैं कि इस बार हुई गड़बड़ी का आगे से ध्यान रखें।

यह पूरा घटनाक्रम शुक्रवार सुबह गुना के सर्किट हाउस का बताया जा रहा है ,जहां सुबह से ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मिलने के लिए लोगों की कतार लगी हुई थी। सैकड़ों लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर उनसे मिलने के लिए पहुंचे थे। लेकिन, लोगों के मिलने के लिए प्रशासनिक व्यवस्था ठीक नहीं थी, यह देखकर सिंधिया कलेक्टर पर नाराज हो गए और उन्हें अगली बार इस बात का ध्यान रखने के लिए कहा।

बता दें यह कोई पहला मौका नहीं है, जब सिंध्या ने कलेक्टर और एसपी को फटकार लगाई हो। इसके पहले करीब 6 महीने पूर्व सभा के दौरान मंच से ही वे कलेक्टर और एसपी को फटकार लगा चुके हैं, जिसमें उन्होंने कलेक्टर और एसपी को मंच पर ही मौजूद रहने की हिदायत भी दी थी। इस बार गुना के सर्किट हाउस में भी उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्टर सत्येंद्र सिंह से कहा कि पहले ही व्यवस्था बनाने के लिए कहा गया था, तो व्यवस्था क्यों नहीं बनाई। अगली बार से सिस्टम बनाकर रखें, लोगों से मिलने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए, आगे से इस बात का ध्यान रखें।

सातवीं बार बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगीं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। जुलाई में सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व पीएम मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे।

बजट सत्र की तारीखों का एलान हो चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 अगस्त को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण

लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनी। इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नव निर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था।

वह स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है। राजनीति में आने से पहले सीतारमण ब्रिटेन में कॉरपोरेट जगत का हिस्सा थीं, जहां वह अपने पति परकला प्रभाकर के साथ रह रही थीं। दोनों की मुलाकात जेएनयू में पढ़ाई के दौरान हुई और 1986 में दोनों ने शादी कर ली। उनकी एक बेटी परकला वांगमयी है। उन्होंने हैदराबाद में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी स्टडीज की उप निदेशक के रूप में कार्य किया। शहर में एक स्कूल भी शुरू किया। वह 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रहीं।

जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में अब्बल

जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित

सिंगरौली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन के जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीएम हेल्पलाईन, एएनसी, पीएनसी,अनमोल पोर्टल, एचएमआईएस, जेएसवाई, पीएसवाई, नियमित टीकाकारण कवरेज सहित मीजल्स-रूबेला निर्मूलन हेतु विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढन् जुलाई 2023 से मई 2024 तक लगातार ग्रेड-। पर रहते हुए पुरस्कृत किया गया। यदि एक आंकड़े के आधार पर देखा जाय तो जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढन् की प्रगति नवम्बर 2023 में 81.9, दिसम्बर 2023 में 86.7, जनवरी 2024 में 82.9, फरवरी 2024 में 83.5, मार्च 2024 में 81.2, अप्रैल 2024 में 82.2 तथा मई 2024 में 81.3 प्रतिशत रही। समीक्षा बैठक के अंत में डॉ. एन. के. जैन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अरूण कुमार शर्मा जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं सुधांशु मिश्रा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर की सीएम हेल्पलाईन टीम राज कुमार पाण्डये लेखा प्रबंधक, संतोष कुमार शाह डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, बाबूराम विश्वकर्मा डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, प्रतीश पटेल डाटा एन्ट्री ऑपरेटर को शील्ड एवं प्रसस्ति पत्र देकर सीएम हेल्पलाईन में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

यह प्रगति डॉ. एन के जैन सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के कार्यकाल में की गई कड़ी मेहनत एवं लक्ष्य निर्धारित कर सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण हेतु योजना बनाकर कार्य करने से संभव हो सका। उक्त बैठक में डॉ. देवेन्द्र सिंह सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढन्, डॉ. एके शर्मा जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.एचएस बैस मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड चितरंगी, डॉ. प्रफुल्ल सिंह आरआरटी डब्ल्यूएचओ सिंगरौली, डॉ.जगदीश चन्द्र यशवाल, डॉ. विशेष सिंह जिला क्षय अधिकारी, डॉ. विजय सिंह नेत्र चिकित्सक, सुधांशु मिश्रा जिला कार्यक्रम प्रबंधक सिंगरौली, रमाकांत द्विवेदी जिला लेखा प्रबंधक, राकेश प्रताप सिंह जिला एम एण्ड ई अधिकारी, संतोष कुमार गुप्ता आरआईडीएम, विपिन द्विवेदी डीसीएम,आशीष कुमार पाण्डेय जिला सहायक कार्यक्रम प्रबंधक, राज कुमार पाण्डेय लेखा प्रबंधक जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर बैढन् सहित तीनों विकासखण्डों के बीपीएम, बीसीएम, बीईई एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सासन चौकी प्रभारी की प्रयास से महिला बची

सिंगरौली। सासन चौकी क्षेत्र अंतर्गत सिद्धीखुर्द में गत दिनों रात्रि करीबन 10 बजे तेज रफ्तार एक बाइक सवार ने सड़क पर खड़ी वृद्ध महिला को जोरदार टक्कर मारते हुए गंभीर रुप से घायल कर मौके से फरार हो गया। जहां इस घटना में महिला का पैर टूट गया और सिर पर गंभीर चोंटे आई थी,जिससे महिला बेहोश हो गई थी। सूचना उपरांत सासन चौकी प्रभारी संदीप नामदेव तत्काल मौके पर पहुंचे और अपने खुद की वाहन में बैठाकर तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां तत्काल उपचार मिल जाने से महिला की जान बच गई। जानकारी के अनुसार 23 जून की रात्रि करीबन 10 बजे सूचना मिली कि सिद्धीखुर्द में एक वृद्ध महिला घर के बाहर खड़ी थी, जिसे एक तेज रफ्तार में मोटरसाइकल ने जोर से ठोकर मार दी है। चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने देरी न करते हुए अपने साथ स्टाफ लेकर तुरंत घटना स्थल रवाना हुए। वहां जाकर देखा तो महिला का पैर टूट गया था और सिर में गंभीर चोट आई थी। चौकी प्रभारी के द्वारा एंबुलेंस का इंतजार नहीं करते हुए स्वयं अपनी गाड़ी देकर महिला को हॉस्पिटल ले जाकर तुरंत ईलाज कराया।

नगर की जल संरचनाओं के पुर्नजीवन और कायाकल्प के लिए अनुमोदित डीपीआर को मिली सर्वसम्मति से स्वीकृति

निगम श्रमिकों के लिए सौगात,सेटमैप से सीधे जुड़ेंगे : महापौर

सिंगरौली। नगर निगम सिंगरौली महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की साधारण बैठक में नगर के विकाश के लिए सर्वसहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।शहरों और उसके बाहरी इलाकों में जल निकायों के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलन में होना जरूरी है। इसके साथ ही हमारी पुरानी विरासत और धरोहर रूपी जल संरचाओ को पुनर्जीवित और कायाकल्प करना अति आवश्यक है। जिसके चलते निगम द्वारा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत हेतु तेलाई तालाब के लिए राशि रुपए 64.71 लाख और वार्ड 43 कचन नदी ग्राम हिर्रवाह मूर्ति विसर्जन पुल के पास के लिए राशि रुपए 484.99 लाख विस्तृत चर्चा उपरांत अनुमोदित डीपीआर को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई द्य श्रमिकों की वेतन में देरी और पीएफ संबंधित शिकायतें को देखते हुए अब सेडमैप से सीधे श्रमिक लिए जाएंगे।अलग-अलग कार्यों के लिए 500 श्रमिक कुशल / अकुशल सेट मैप से सीधे लिए जाने से निगम की कार्यशैली सुगम होगी द्य जिससे नगर के विकाश कार्यों में तेजी आएगी।

प्रस्ताव अनुसार 1 जुलाई से आगामी एक वर्ष हेतु सेट मैप से श्रमिकों को लिए जाना है । जो श्रमिक पूर्व से आउटसोर्स पर निगम में कार्य कर रहे हैं उन सभी कुशल / अकुशल श्रमिकों को सम्मिलित करते हुए सेट मैप से लिए जायेगा । जिसके प्रस्ताव अनुसार रुपए 9, 55, 50, 165 (नौ करोड पचपन लाख पचास हजार एक सौ पैसट) रुपए की स्वीकृति चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से प्रदान की गई। मेयर इन काउंसिल के सदस्य खुर्शीद आलम, अंजना शाह, शिव कुमारी, अर्चना विश्वकर्मा, श्यामला, रीतादेवी प्रजापति, बबली शाह, रुकमुन प्रजापति एवम नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा, कार्यपालन यंत्र बी वी उपाध्यक्ष, उपायुक्त एवम राजस्व आधिकारी आर पी बेस, अकाउंट ऑफीसर सत्यम मिश्रा, ऑफिस इंचार्ज वीडी सिंह सहित सभी विभागाध्यक्ष बैठक के दौरान उपस्थित रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल में वृक्षारोपण अभियान

एक पौधा माँ के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया शुभारंभ

सिंगरौली। भारत सरकार की महत्त्वकांक्षी योजना के तहत सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक पौधा माँ के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य में एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना में वृक्षारोपण अभियान, 2024 के अंतर्गत कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार के द्वारा विंध्याचल परियोजना परिसर मे पेड़ लगा कर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । इस वृक्षारोपण अभियान का मुख्य उदेश्य कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करना है। कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार नें अपने उद्बोधन में कहा कि एनटीपीसी विंध्याचल पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है और आगे भी इसी तरह एनटीपीसी विंध्याचल इस दिशा में कार्य करती रहेगी। साथ ही उन्होनें उपस्थित सभी लोगो से अधिक से अधिक पेड़ लगा कर पर्यावरण संरक्षण एवं धरती को हरा-भरा बनाने के लिए एक पौधा माँ के नाम अभियान से जुड़ने की अपील की एवं सभी को जागरूक भी किया ।इस अवसर पर समीर शर्मा मुख्य महाप्रबंधक (ओ एंड एम) बीसी चतुर्वेदी- मुख्य महाप्रबंधक (चिकित्सा) तथा अन्य विभागो के महाप्रबंधक ,विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें । यह कार्यक्रम ओ एंड एम सिविल एवं पर्यावरण प्रबंधन विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

रिलायंस सासन पावर एवं रिलायंस कोल माइंस के द्वारा स्वैक्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन

सिंगरौली। रिलायंस कंपनी के फाउंडर धीरूभाई अम्बानी के पुण्यतिथि के अवसर पर रिलायंस सासन पावर लिमिटेड एवं रिलायंस सासन कोल माइंस, मुहेर तथा इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में स्वैक्षिक रक्तदान शिविर ऑक्यूपेशनल हेल्थ सेन्टर में आयोजित किया गया । यह रक्तदान शिविर रिलायंस के सीईओ सचिन मोहपात्रा के मार्गदर्शन एवं रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन एस डी सिंह के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रिलायंस के सीएमओ डॉ ए.पी.सिंह के द्वारा रक्तदान के बार में विशेष जानकारी प्रदान किया गया तथा बताया गया कि रक्तदान कौन व्यक्ति कर सकता है, रक्तदान करने से स्वयं को लाभ एवं दूसरे व्यक्ति को जीवनदान दिया जाता है इसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया इस स्वेक्षिक रक्तदान शिविर में सासन पावर लिमिटेड द्वारा 21 यूनिट एवं रिलायंस कोल माइंस मुहेर द्वारा 40 यूनिट तथा कुल मिलाकर 61 यूनिट रक्त रक्तदाताओं द्वारा स्वेक्षिक रक्तदान किया गया। इस शिविर में रिलायंस सासन पावर के हेड ड्रैगलाइन संजीव सिन्हा, शारदा सिंह हेड सिविल, रवि मिश्रा सुरक्षा प्रमुख, आलोक चतुर्वेदी मानव संसाधन प्रमुख एवं मेडिकल टीम की ओर से डॉ अनिल सिंह सी एम ओ, डॉ अजय भगत, डॉ आनंद ओझा, एविक्स जेवियर तथा सासन पावर प्लांट की ओर से अर्णव भौमिक, अरुण जेना, रवि मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव, पी सी उपाध्याय, अनुराग केशरी, बैजनाथ उपाध्याय एवं सी एस आर टीम फुजैल अहमद, नागेंद्र सिंह, नृपेंद्र पांडे, हृदय साहू, अमित दुबे, दिव्या सिंह, मिथिलेश शाह उनकी टीम इत्यादि लोग उपस्थित रहे । सभी पदाधिकारियों द्वारा रक्तदानदाताओं का उत्साहवर्धन किया गया एवं सभी को रक्तदान प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित ब्लड सेंटर की और से डॉ आर डी द्विवेदी मेडिकल डायरेक्टर द्वारा रक्तदान शिविर में उपस्थित होकर रक्तदानियों का हौसला अफजाई किया गया रेडक्रॉस ब्लड सेंटर की ओर से हरीशंकर गुप्ता टेक्निकल सुपरवाइजर, जय प्रकाश दुबे कोऑर्डिनेटर, शिवानी सिंह स्टाफ नर्स, कृष्णा शाह, रामकली रजक अटेंडेंट के द्वारा इस शिविर को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा।

यातायात पुलिस प्रतिदिन वाहनों की कर रही जांच

यातायात प्रभारी बोलें यातायात नियमों का करें पालन और कार्यवाही से बचें

सिंगरौली। नगर निगम क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए यातायात पुलिस लगातार जांच अभियान चला रही है। नियमों की अवहेलना करने वाले चालकों से जुर्माना वसूला जा रहा है। प्रकरण न्यायालय में भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं, इसके बाद भी नियम तोड़ने वालों की संख्या में अपेक्षा के अनुरूप कमी नहीं आ रही है। बता दें कि श्रीमती निवेदिता गुप्ता, पुलिस अधीक्षक, जिला सिंगरौली द्वारा जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिदिन वाहनो की सघन चेकिंग एवं चालानी कार्यवाही की जा रही है। नव नियुक्त थाना प्रभारी विद्यावरिधि तिवारी आज बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में बेतरतीब तरीके के सडक के किनारे खड़े किए गए वाहनों के खिलाफ चालानी कार्यवाही की गई।

थाना प्रभारी यातायात के द्वारा सडक के किनारे बेतरतीब पार्क कर खड़े किए गए एक दर्जन से अधिक दोपहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों के चालान काटें। वाहन चालकों को यातायात थाना प्रभारी ने सख्त हिदायत दी गई कि पार्किंग कि लिए जो निर्धारित स्थान है उन्ही जगहों पर वाहनों को पार्क करें, सिग्नल न तोड़े, वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य लगाएं और फोर व्हीलर वाहन चालक बिना सीट बेल्ट लगाएं न चले अन्यथा कार्यवाही की जाएगी।

अमरकंटक क्षेत्र में गुल बकावली फूल की खेती को दे बढ़ावा : कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों का सर्वांगीण विकास हो यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। किसानों को कृषि, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, उद्यानिकी की फसलों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करना हमारा प्राथमिक कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर एक किसान तक शासन द्वारा किसानों के लिए संचालित हर एक योजनाओं की जानकारी देना एवं उस योजना के तहत किसानों को लाभ दिलाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान शासन द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित न रहे, अधिकारी इसके लिए कार्य योजना बनाएं तथा किसानों को योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद आज कमिश्नर कार्यालय के सभागार में कृषि विभाग, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि बैठकों में जो भी निर्देश एवं लक्ष्य दिए जाते हैं उन लक्ष्यों एवं निर्देशों पर प्राथमिकता से कार्य करें। उन्होंने कहा है कि कार्यों की पूर्ति केवल कागजों तक सीमित ना रहे,कार्य क्षेत्र में भी आपके द्वारा किए गए कार्य दिखे।

जनपद पंचायत अंतर्गत मतदाता सूची के पुनरीक्षण हेतु अधिकारी नियुक्त

शहडोल

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरुण भटनागर ने मतदाता सूची के सतत निरीक्षण किए जाने हेतु जनपद पंचायतवार रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एवं अपील अधिकारी नियुक्त किया है।

जनपद पंचायत सोहागपुर हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नयब तहसीलदार सोहागपुर श्री राजकुमार साकेत होंगे, इनका अधिकार क्षेत्र जनपद पंचायत सोहागपुर के अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायतें रहेगी। जनपद पंचायत बुढार हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार बुढार श्रीमती भावना देहरिया होगीं। इनका अधिकार क्षेत्र जनपद पंचायत बुढार के अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायत रहेंगी। जनपद पंचायत जयसिंहनगर हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रभारी तहसीलदार जयसिंहनगर श्रीमती सुषमा धुर्वे होंगी, इनका अधिकार क्षेत्र जनपद पंचायत जयसिंहनगर के अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायत होगी। जनपद पंचायत गोहपारू के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार गोहपारू श्री लक्ष्मण पटेल होंगे इनका अधिकार क्षेत्र जनपद पंचायत गोहपारू के अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायत होगी। जनपद पंचायत ब्यौहारी के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी तथा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नायब तहसीलदार ब्यौहारी श्री अजय कुमार पांडे होंगे, इनका अधिकार क्षेत्र जनपद पंचायत ब्यौहारी के अंतर्गत आने वाली समस्त ग्राम पंचायत होगी। समस्त नगरी जनपद पंचायत क्षेत्र के लिए अपीलीय अधिकारी अपर कलेक्टर शहडोल होंगे।

नगरीय निकाय हेतु मतदाता सूची के पुनरीक्षण हेतु अधिकारी नियुक्त

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरुण भटनागर ने मतदाता सूची के सतत निरीक्षण किए जाने हेतु नगरीय निकायवार रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एवं अपील अधिकारी नियुक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका शहडोल हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार सोहागपुर श्रीमती दिव्या सिंह को नियुक्त किया है, जिनका अधिकार क्षेत्र वार्ड क्रमांक 1 से वार्ड क्रमांक 39 रहेगा।

इसी प्रकार नगरीय निकाय बुढार हेतु रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनु विभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तहसीलदार बुढार श्रीमती भावना देहरिया जिनका अधिकार क्षेत्र वार्ड नंबर क्रमाक से वार्ड क्रमांक 15 रहेगा।

आरएसएस के शताब्दी समारोह पर आयोजन आज

जिले भर के पॉच हजार से अधिक स्वयं सेवक होंगे शामिल

सिंगरौली

राष्ट्रीय सेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर कल दिन रविवार को शताब्दी विशाल समारोह का अयोजन किया जा रहा है। जहां एनसीएल मैदान बिलौंजी में करीब पॉच हजार से अधिक स्वयं सेवको के शामिल होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

आरएसएस सिंगरौली के जिला संघचालक एवं जिला कार्यवाह ने बताया है कि राष्ट्रीय सेवकसंघ अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। अर्थात संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय बैढ़न के एनसीएल मैदान बिलौंजी में कल दिन रविवार 7 जुलाई को जिले का शारीरिक प्रधान कार्यक्रम रखा गया है। यह कार्यक्रम अपराह्न 3:45 से शुरू होगा। जहां बतौर मुख्य वक्ता के रूप में दीपक विस्पुते अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिरकत कर प्रधान कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। उक्त कार्यक्रम में जिले भर के करीब पॉच हजार स्वयंसेवक एकत्रित होंगे। आगे बताया कि कल रविवार की सुबह 11 बजे पथसंचलन निकलेगा। यह पथसंचलन एनसीएल मैदान से निकल कर कोठी तिराहा बिलौंजी होते हुये मुख्य मार्ग से हनुमान मंदिर तोरण द्वार, फब्बारा चौक बैढ़न तक जाएगा तथा वहां से वापस उत्कृष्ट विद्यालय से थाना चौक होकर पुनः एनसीएल मैदान में समाप्त होगा । वही अंत में यह भी बताया कि इस अवसर पर उक्त कार्यक्रम में नगर के करीब 3 हजार से अधिक प्रबुधजनों के पहुंचने की संभावना है। जिला संघचालक ने उक्त कार्यक्रम में स्वयंसेवको के उत्साह वर्धन के लिए अधिक से अधिक गणमान्य नागरिको के पहुंचने का अपील किया है।

सीमांकन के लिए विशेष अभियान में किए गए 773 सीमांकन

कलेक्टर के निर्देशन में प्रत्येक शनिवार को चलाया जा रहा विशेष अभियान

सीधी

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए जिले में सीमांकन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लगातार दूसरे सप्ताह शनिवार को आयोजित सीमांकन के विशेष अभियान के तहत जिले में 773 सीमांकन किए गए। गत सप्ताह शनिवार को विशेष सीमांकन अभियान के तहत 1050 सीमांकन किए गए थे। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार द्वारा अभियान की सतत निगरानी की गई तथा मौके पर जाकर सीमांकन का अवलोकन भी किया गया।

विशेष अभियान के तहत तहसील गोपद बनास में 220, चुरहट में 81, रामपुर नैकिन में 103, बहरी में 109, सिहावल में 100, मझौली में 49, मड़वास में 54 एवं कुसमी में 57 सीमांकन किए गए। विशेष अभियान के लिए तहसीलवार राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों के 119 संयुक्त दल गठित किये गये थे। तहसील गोपद बनास में 28, चुरहट में 12, रामपुर नैकिन में 17, बहरी में 23, सिहावल में 16, मझौली में 8, मड़वास में 5 एवं कुसमी में 10 दलों द्वारा सीमांकन किया गया।

कलेक्टर श्री सोमवंशी ने निर्देशित किया है कि अभियान के दौरान सीमांकन के अधिकतम प्रकरणों के प्रयास किए जाए सभी दल सीमांकन संबंधी अपनी रिपोर्ट समय-सीमा में प्रस्तुत करेंगे तथा पीठासीन अधिकारी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। गत दो सप्ताह में किए गए सीमांकन की प्रगति आरसीएमएस में लंबित प्रकरणों के निराकरण में भी दिखनी चाहिए। कलेक्टर ने उक्त अभियान में किए गए प्रयासों के लिए राजस्व विभाग की पूरी टीम की सराहना की है। साथ ही किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए इसी प्रकार से तत्परता के साथ प्रयास सतत रूप से जारी रखने के लिए कहा है।

जिले में औसत वर्षा 134.6 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा रामपुर नैकिन में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 06 जुलाई को सीधी जिले में 1.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 8.2 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 134.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 06 जुलाई तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 206.1 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 74.8, गोपद बनास में 109.0, सिहावल में 130.0, बहरी में 120.4 मझौली में 136.0 मि.मी. और कुसमी में 166.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 119.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 14.9 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन बच्चों के लिए हॉस्टल संचालित

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सीधी के हास्टल में होगा संचालित, प्रवेश के लिए करें संपर्क

सीधी। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि भारत शासन की पीएबी की बैठक दिनांक 07.05.2023 द्वारा सत्र 2023-24 की वार्षिक कार्य योजना अनुसार छात्रावासों के संचालन की सहमति प्रदान की गई है। सीधी जिले के लिए स्वीकृत बालक छात्रावास का संचालन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सीधी के हास्टल में किया जाना है। कक्षा 5वीं उत्तीर्ण ऐसे बालक छात्र जो शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन, अप्रवेशी, बेघर, अनाथ, सिंगल पेरेन्टस एवं दिव्यांग है ऐसे समस्त बालकों को कक्षा 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। ऐसे ग्राम जहां 3 किलोमीटर की परिधि में कोई माध्यमिक एवं 5 किलोमीटर की परिधि में हाई स्कूल/हा.से. शाला उपलब्ध नहीं है जिसके कारण छात्र ने पढ़ाई छोड़ दी है। विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र में दर्ज ऐसे बालक जो कक्षा 5वीं की योग्यता रखते हो उन्हे उक्त छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति की ऐसे आश्रम शालाएं जो प्राथमिक स्तर की है उन आश्रम शालाओं के 5वीं उत्तीर्ण होने वाले बालकों को 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। स्थानीय बालकों को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। पी.एम.केयर/विशेष सहायता हेतु चिन्हित बालकों को आवश्यकतानुसार छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्त प्राथमिकता क्रम के आधार पर अगर सीट रिक्त रह जाती है तो अन्य जरूरत मंद 5वीं पास अध्ययनरत बालकों के प्रवेश हेतु विचार किया जावेगा। प्रवेश हेतु प्रवेश फार्म 15 जून 2024 से जिला शिक्षा केन्द्र व सभी बी.आर.सी.सी. कार्यालय में उपलब्ध है। प्रवेशित बालकों को नजदीकी विद्यालय जैसे हाई स्कूल कोतर कला, माध्यमिक विद्यालय अमहा में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी। ध्यान रहे सभी प्रवेशित बालकों के रहने, खाने पाठ्य पुस्तक, गणवेश आदि की सुविधा मुफ्त रहेगी। उन्होने विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समस्त जनपद शिक्षा केन्द्र को निर्देशित किया है कि अपने विकासखण्ड क्षेत्रान्तर्गत समस्त जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को छात्रावास संचालन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अवगत कराते हुए प्रवेश हेतु पात्रता एवं प्राथमिकता भी सभी जनप्रतिनिधिगण को बतावें और स्वयं इस तरह के बच्चों का समस्त प्रधाना अध्यापकों, समस्त जनशिक्षकों व समस्त एस.एम.सी. अध्यक्ष व सदस्यों के माध्यम से सघन सर्वे कराकर पात्र बालकों को छात्रावास मे अभिभावकों के सहमति के आधार पर प्रवेश दिलाएं।

म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 08 जुलाई तक

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 27 जुलाई को आयोजित होगी। जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्वि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की सम्भावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। एपीसी रमसा एवं पर्यटन क्विज के नोडल ने जानकारी देकर बताया कि प्रत्येक स्कूल की टीम में तीन छात्र शामिल होंगे। 27 जुलाई को लिखित परीक्षा होगी इसमें 6 टीम चयनित कर मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली इन 6 टीमों को मध्य प्रदेश के पर्यटक स्थल को घूमने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके हैं, जिसकी अंतिम तिथि 8 जुलाई 2024 है। सभी शासकीय - अशासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य को जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने-अपने विद्यालय के 3 छात्रों की एक टीम का पंजीयन निर्धारित तिथि के पूर्व कराएं जाने हेतु पत्र जारी किया है।

उत्कृष्ट विद्यालय में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

बच्चों को सरल शब्दों में अधिकारों एवं कर्तव्यों के विषय में दी गई जानकारी

सीधी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में एवं श्री मुकेश कुमार प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय की अध्यक्षता में जिला न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री वीरेन्द्र जोशी के द्वारा शनिवार 06 जुलाई को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 जिला सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री मुकेश कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को कहा कि अपने शिक्षकों का सम्मान करे, अपने चरित्र का निर्माण करें एवं नशे जैसी चीजों से दूर रहे। श्री कुमार ने उपस्थित छात्र-

छात्राओं को अच्छे बुरे की पहचान कराते हुए कानून के विषय में जानकारी दी। जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वीरेन्द्र जोशी ने अपने संबोधन में बड़े ही सरल तरीके से विधि विषय की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम होने पर वाहन न चलाने, बाल विवाह रोकना, सही एवं गलत की पहचान करना, अपराध क्या होता है इसके बारे में जागरूक किया। साथ ही बालकों को उनके भविष्य के लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर उसको अर्जित करने के लिए अनुशासन के साथ कठोर परिश्रम से जुट जाने हेतु प्रेरित किया। श्री सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी ने उपस्थित छात्र छात्राओं को सही गलत की परख करना, श्री राम जी के आदर्शों और चरित्र से सीख लेकर उन्हें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उक्त विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में विद्यालय के प्राचार्य श्री शंभुनाथ त्रिपाठी, उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेन्द्र सिंह बघेल ने किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रकट डॉ. संजीव कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

सीएसआर व डीएमएफ मद के कार्यों हेतु नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त

शहडोल। कलेक्टर श्री तरूण भटनागर ने जिला खनिज प्रतिष्ठान (डी0एम0एफ0) एवं सी0एस0 आर0 मद अंतर्गत समस्त कार्यों हेतु आगामी आदेश पर्यन्त श्री मुद्रिका प्रसाद सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, जिला शहडोल (म0प्र0) मो0नं0 8966850095 को नोडल अधिकारी एवं सहयोग हेतु श्री आशुतोष खरे, परियोजना अधिकारी, मनरेगा, जिला पंचायत, जिला शहडोल (म0प्र0) मो0नं0 9424651132 को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। कलेक्टर ने नोडल अधिकारी को निर्देशित किया है कि उक्त मदों अंतर्गत प्रस्तुत नस्तियों का विधिवत परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शहडोल (म0प्र0) के माध्यम से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे ।

कम खेती में अधिक पैदावार लेने की तकनीक सीखें कृषक : कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने कहा है कि कम खेती में अधिक पैदावार लेने के लिए किसानों को कृषि की नई तकनीक सीखना होगा। कमिश्नर ने कहा है कि किसान उन्नत बीजों का उपयोग कर, खेती में कृषि यंत्रो का उपयोग कर उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर खेती से अच्छी पैदावार ले सकते हैं। उन्होनें कहा है कि शहडोल संभाग के किसान रासायनिक खादों का कम उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को रासायनिक खादों का उपयोग भी संतुलित तरीके से करना चाहिए वहीं जैविक खाद के उपयोग को भी बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए। कमिश्नर ने किसानों को समझाइश देते हुए कहा कि किसान पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गीपालन कर अतिरिक्त आय अर्जित करने के प्रसास भी करें। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद आज शहडोल जिले के सोहागपुर तहसील के ग्राम चटहा में आयोजित कृषक प्रशिक्षण एवं खरीफ फसलों के बीज वितरण एवं किसान संगोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कमिश्नर ने कहा कि कृषि की लागत को कम करने के लिए किसान आधुनिक कृषि यंत्रो का उपयोग करें सही समय पर फसलों की बुआई करें तथा दवाईयों का छिड़काव भी समय पर करें। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए तथा कृषि के अलावा अन्य अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा। खेती के अलावा किसानों को उद्यानिक फसलों की ओर भी ध्यान देना होगा। किसान संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री तरूण भटनागर ने कहा कि शहडोल जिले में पिछले वर्ष से इस वर्ष अच्छी बारिश हो रही है और फसलों की बुआई का का लक्ष्य भी ज्यादा है। उन्होंने किसानों को समझाईश देते हुए कहा कि किसान फसलों की बुआई समय पर करें।

उन्होनें कहा कि शहडोल जिले में धान की खेती ज्यादा होती है। कलेक्टर ने किसानो को समझाईश देते हुए कहा कि धान की फसल को पानी की ज्यादा आवश्यकता होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां पानी कम है ऐसे खेतों में धान की बुआई नहीं करते हुए किसान मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी भी लगा सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि शहडोल जिले में जैविक खाद के उपयोग पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने कहा कि शहडोल जिल में जल गंगा संवर्धन में लगभग 2 हजार से ज्यादा जल संरचनाओं का निर्माण किया गया है, इन जन संरचनाओं का उपयोग किसान मछली पालन के लिए करें। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले में मछली पालन की विपुल संभावनाएं हैं, किसान मत्स्यपालन कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकता है।

जन्म-मृत्यु पंजीयन के सीआरएस पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

शहडोल। कलेक्टर परसिर में बने ई-दक्ष केन्द्र में जन्म-मृत्यु पंजीयन के सीआरएस पोर्टल पर कार्य करने में जिले की पंजीयन इकाईयों में आ रही कठिनाईयों को दृष्टिगत रखते हुए जिले के समस्त पंजीयन कार्यालय के शाखा प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में श्री रामअवतार पटेल संयुक्त संचालक जनगणना कार्य निर्देशालय मध्यप्रदेश भोपाल एवं श्री मिलन गुप्ता अन्वेषक भोपाल के द्वारा जन्म मृत्यु रजिस्ट्रेशन का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

जिले में चलाया जा रहा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

शहडोल। पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की गयी है। एक पेड़ लोगों की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। ताकि पर्यावरण स्वच्छ बना रहे। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा जब हर एक व्यक्ति एक-एक पौंधा लगाए और उसकी सुरक्षा के लिए संकल्प लें।

इसी कड़ी में शहडोल जिले में कलेक्टर श्री तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रगति पर है एवं धरा को समृद्ध बनाने के लिए जिले के नागरिक उत्साह के साथ पौंधो का रोपण कर रहे है।

स्काउटिंग राष्ट्रभक्ति एवं अनुशासन की प्रथम पाठशाला, हर छात्र अर्जित करें राज्यपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार : सुरेंद्र मणि

सीधी। भारत स्काउट एवं गाइड के तत्वाधान में आयोजित पंचदिवसीय तृतीय सोपान जांच शिविर एवं प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन नवोदय विद्यालय चुरहट में भारत स्काउट एवं गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे के मुख्य आतिथ्य एवं जिला आयुक्त गाइड डॉक्टर श्वेता सिंह के विशिष्ट आतिथ्य और प्राचार्य विनीत कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में शुभारंभ हुआ।

उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए भारत स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि स्काउटिंग राष्ट्रभक्ति एवं अनुशासन की प्रथम पाठशाला है। इस जांच शिविर से प्रत्येक स्काउट और गाइड सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित हो। स्काउटिंग पढ़ाई के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं सामाजिक कर्तव्यों के प्रति जागृति का एक प्रमुख माध्यम है। भारत स्काउट एवं गाइड केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के 206 से अधिक देशों में संचालित है।

जिला अध्यक्ष श्री दुबे ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय में स्काउटिंग की शिक्षा अवश्य दिलाए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जिला आयुक्त गाइड डॉक्टर श्वेता सिंह ने कहा कि स्काउटिंग छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है। स्काउटिंग के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा दें। स्काउटिंग से पाठ्येत्तर गतिविधियों के साथ-साथ अन्य गतिविधियों से भी छात्र एवं छात्राओं का कला कौशल निखरता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में नवोदय विद्यालय के प्राचार्य विनीत कुमार शुक्ला ने कहा कि तृतीय सोपान जांच शिविर के प्रशिक्षण के लिए बिलासपुर जोन के 10 नवोदय विद्यालय से 180 से अधिक स्काउट एवं गाइड भाग ले रहे हैं। 5 दिन तक चलने वाले इस आयोजन में विभिन्न विद्यालयों से आए हुए स्काउट एवं गाइड स्काउटिंग की शिक्षा अर्जित करते हुए अपनी-अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करेंगे। जिसके आधार पर माननीय राज्यपाल पुरस्कार के लिए स्काउट एवं गाइड चयनित होंगे।

राज्यपाल पुरस्कृत शिविर अधिकारी और विद्यालय की वरिष्ठ पीईटी सुश्री साधना चौबे ने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले शिविर में स्काउट एवं गाइडों के विभिन्न प्रकार की पाठ्यक्रमों के अंतर्गत परीक्षण दिया जाएगा। आभार प्रदर्शन नवोदय विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षक एस के तिवारी और कार्यक्रम का संचालन राज प्रकाश यादव ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिविर अधिकारी वरिष्ठ शिक्षक साधना चौबे, पीटीआई रवि पांडे, स्काउट मास्टर राजेंद्र पटेल, ज्योति सिंह, योगेश वर्मा, वरिष्ठ शिक्षक ऋचा पटेल और नीरज सहित नवोदय विद्यालय के बिलासपुर जोन में आने वाली सभी विद्यालयों के चयनित स्काउट एवं गाइड शामिल हुए। इसके पूर्व आए हुए अतिथियों का इसकर माल्यार्पण एवं हल्दी चंदन द्वारा शानदार स्वागत किया गया एवं ध्वजारोहण प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवं स्काउट दल द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com , website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई-निविदा/2024/4050 सीधी दिनांक 02/07/2024

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में भवन निर्माण /मरम्मत , पुलिया, रपटा, चेकडैम निर्माण मरम्मत के लिये शासकीय कार्यो हेतु निम्नांकित सामग्री के लिये वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से मोहन, पोंड़ी, दुबरी, बस्तुआ, ब्यौहारी बफर, मड़वास बफर, टमसार बफर, भुईमाड़ बफर, सोनघड़ियाल अभयारण्य सीधी , सोनघड़ियाल अभयारण्य चितरंगी , सोनघड़ियाल अभयारण्य रामपुर नैकिन , बगदरा अभयारण्य सीधी के लिये ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	सामग्री का नाम	अनुमानित मात्रा
1	ईंट पक्की (गुटका) 8"x 4"x4"	170000 नग
2	फ्लाई एस. ईंट 8"x 4"x4"	60000 नग
3	रेत (बालू)	600 घ.मी.
4	गिट्टी 20,40 एमएम	500 घ.मी.
5	लोहा/सरिया 8,10,12 एमएम	18000 कि.ग्रा.
6	सीमेन्ट (ISI Mark 53-Grade) मेजर प्लांट	20000 बैग (50Kg Wt.)
7	हार्ड मुरूम	400 घ.मी.
8	स्टोन डस्ट (राखड़)	350 घ.मी.
9	स्ट्रेक्चर स्टील (ISI Mark)	30 क्विंटल
10	बाईडिंग वायर	300 कि.ग्रा
11	अनगढ़ा पत्थर	400 घ.मी.
12	फर्स टाईल्स 600 mm ×600mm×9mm प्रति वर्ग फिट	525 वर्ग फिट
13	बाथरूम फ्लोर टाइल्स 30×30cm प्रति वर्ग फिट	2000 वर्ग फिट
14	बाथरूम बाल टाइल्स 45×30cm प्रति वर्ग फिट	2000 वर्ग फिट
15	इमल्सन पेन्ट अंदर दिवार हेतु	4000 लीटर
16	इमल्सन पेन्ट बाहरी दिवार हेतु	4000 लीटर
17	चौखट सालवुड-दरवाजा मय पल्ला	3'6"×7'0"=15 Nos 2'9"×7'0"=20 Nos
18	लकड़ी की खिड़की मय पल्ला	5'0"×4'6"=15 Nos 4'0"×4'6"=10 Nos 3'0"×4'6"=05 Nos

इस निविदा के लिये दिनांक 08.07.2024 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे है। टेण्डर की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in/** के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 19.07.2023 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 22.07.2023 को दोपहर 3.00 बजे तक रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट **https://mpforest.gov.in/** पर भी देखी जा सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

जी-13025/24

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में भीड़ का तंत्र

पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में भीड़ के बीच एक महिला और पुरुष की बुरी तरह पिटाई की घटना अराजक हो चुके लोगों और नाकाम हो चुकी सरकार का ही उदाहरण लगती है। खबरों के मुताबिक, विवाहेतर संबंधों के आरोप पर गांव में एक कथित सभा बुला कर युवा जोड़े को सजा के तौर पर सबके सामने बर्बरता से पीटा गया। एक वीडियो में भीड़ के बीच एक व्यक्ति महिला और पुरुष की जिस तरह पिटाई करता दिखता है, वह हैरान करने वाला है। वहां खड़े लगभग सभी लोग मूकदर्शक थे और कहीं भी पुलिस या प्रशासन का दखल नहीं दिख रहा था। सवाल है कि किसी व्यक्ति के व्यवहार या गतिविधि को अपराध तय करने और उसे सजा देने का अधिकार कुछ अराजक, अपराधी तत्त्वों या भीड़ को किसने दे दिया! हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने महिला और पुरुष को पीटने के मुख्य आरोपी से कोई संबंध होने से इनकार किया, मगर बताया जा रहा है कि वह शख्स इसी पार्टी का स्थानीय कार्यकर्ता है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था और शासन-तंत्र की हर स्तर पर मौजूदगी के दावे वाले राज्य में हुई यह घटना जिस प्रकृति में देखी गई, उससे यही लगता है कि या तो अपराधी तत्त्वों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है या फिर उनके बीच सरकार या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। अराजकता के आलम का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बीते एक हफ्ते के दौरान राज्य में भीड़ द्वारा हिंसा की कई घटनाएं सामने आईं। खुद पुलिस के मुताबिक, हाल में राज्य में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या किए जाने की यह चौथी घटना है। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में कुछ लोगों ने खुद को न्यायालय मान लिया है और वे मनमाने तरीके से फैसला कर डालते हैं। हैरानी की बात है कि राज्य में कई जगहों पर किसी कथित 'कंगारू कोर्ट' या सभाओं में सामाजिक मसलों पर महज आरोप के बाद आनन-फानन में ऐसे फैसले सुना दिए जाते हैं, जो अराजकता का ही उदाहरण है। ऐसी किसी घटना के तूल पकड़ने के बाद पुलिस आनन-फानन में कार्रवाई करती दिखती है, लेकिन इससे पहले सरकार और उसका शासन-तंत्र कहां होता है।

मंगल समागम का अमंगल हो जाना

(ओपीएस मलिक, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी)

हाथरस की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आजकल धार्मिक समागमों में अक्सर दुर्व्यवस्था पैदा हो जाती है। बीते कुछ वर्षों में धार्मिक आयोजनों में मची भगदड़ इसकी गवाह है। यहां तक कि सड़क हादसों के शिकार लोगों में भी एक बड़ी संख्या तीर्थयात्रियों की होती है। लिहाजा, इन घटनाओं से जुड़े तमाम आयामों पर हमें गौर करना होगा और समय रहते उचित कदम भी उठाने होंगे।

हाथरस में सत्संग के लिए क्या इंतजाम किए गए थे और क्या नहीं, इस पर अभी बहस होती रहेगी, लेकिन पहली नजर में तो यही लगता है कि आयोजन-स्थल पर प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए थे। किसी भी बड़े आयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और आयोजक, दोनों की होती है। हालांकि, आयोजकों का इंतजाम उतना प्रभावी नहीं हो सकता, जितना जिला प्रशासन का होता है। आयोजकों के सेवादार भी एक हद के बाद समस्या बन जाते हैं। मगर जिला प्रशासन आमतौर पर तभी सक्रिय होता है, जब उसके पास ऐसे किसी आयोजन की पूर्व-सूचना पहुंचती है। यह खबर अमूमन आयोजक ही देता है कि वह एक तय तिथि को कार्यक्रम करने जा रहा है। इसमें वह श्रद्धालुओं के पहुंचने की अनुमानित संख्या भी बताता है। इसके बाद जिला प्रशासन की यह जिम्मेदारी होती है कि वह आयोजन-स्थल का मुआयना करके कार्यक्रम पर फैसला ले।

हाथरस में सत्संग के लिए क्या इंतजाम किए गए थे और क्या नहीं, इस पर अभी बहस होती रहेगी, लेकिन पहली नजर में तो यही लगता है कि आयोजन-स्थल पर प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए थे। किसी भी बड़े आयोजन की जिम्मेदारी जिला प्रशासन और आयोजक, दोनों की होती है। हालांकि, आयोजकों का इंतजाम उतना प्रभावी नहीं हो सकता, जितना जिला प्रशासन का होता है। आयोजकों के सेवादार भी एक हद के बाद समस्या बन जाते हैं। मगर जिला प्रशासन आमतौर पर तभी सक्रिय होता है, जब उसके पास ऐसे किसी आयोजन की पूर्व-सूचना पहुंचती है। यह खबर अमूमन आयोजक ही देता है कि वह एक तय तिथि को कार्यक्रम करने जा रहा है। इसमें वह श्रद्धालुओं के पहुंचने की अनुमानित संख्या भी बताता है। इसके बाद जिला प्रशासन की यह जिम्मेदारी होती है कि वह आयोजन-स्थल का मुआयना करके कार्यक्रम पर फैसला ले। वह चाहे, तो पुलिस ऐक्ट के तहत ऐसे आयोजनों को नियमित कर सकता है, अनुमति देने से इनकार कर सकता है या शर्तें तय कर सकता है। मगर मुश्किल यह है कि तमाम धार्मिक आयोजनों में अब तरह-तरह की व्यावसायिक गतिविधियां भी होने लगी हैं। इनमें जितने भक्त आते हैं, उतना ही चढ़ावा चढ़ता है, दान मिलता है व धन का हस्तांतरण होता है। इन सबसे आयोजनों में व्यवस्था के तार-तार होने का डर बना रहता है।

हालांकि, आयोजकों के सिर पर जिम्मेदारी डालकर प्रशासन अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं कर सकता। अगर किसी आयोजन के लिए उससे अनुमति नहीं भी ली गई होती है और उसमें हजारों-लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जाती है, तो जिला प्रशासन अपने तईं सरकारी अमले का उपयोग करने को स्वतंत्र होता है। यानी, आयोजक अनुमति ले अथवा नहीं, दोनों ही परिस्थितियों में जिम्मेदारी जिला प्रशासन के कंधों पर ही होती है। लिहाजा, उसे स्वत- सुरक्षा इंतजाम करने पड़ते हैं या बंदोबस्त न कर पाने की सूरत में कार्यक्रम रद्द कराने होते हैं। उसको कई तरह की प्रशासनिक ताकत इसीलिए मिली हुई है।

हालिया दिनों में आयोजकों में यह सोच घर कर रही है कि धार्मिक जलसों के लिए अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। अगर आज्ञा ले भी ली, तो प्रशासन द्वारा लगाई गई शर्तों को मानने का कोई औचित्य नहीं। यह गलत प्रवृत्ति है। इसी के कारण देश भर

में कई बाबा प्रकट हो गए हैं। ये अक्सर बरसात के दौरान चौमासा में सामने आते हैं। इनका इलाका भी बंटा हुआ होता है। ये स्वयंभू बाबा किसी को कुछ नहीं मानते और भीड़ का इस्तेमाल अपनी ताकत दिखाने के लिए करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों पर पर्याप्त सख्ती आवश्यक है। मगर धार्मिक आयोजनों को लेकर जिला प्रशासन में एक तरह का खौफ भी बना रहता है। यह स्थिति तब है, जब जिले पहले की तुलना में छोटे कर दिए गए हैं। जाहिर है, उसका यह डर मुनासिब नहीं है।

ऐसी स्थिति से पार पाने के लिए जरूरी है कि नियमों का हरसंभव पालन किया जाए। हर क्षेत्र के हिसाब से एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, यानी एसओपी) बनी हुई है, जिसमें बताया गया है कि जब भीड़ इकट्ठी हो जाए, तो उसका प्रबंधन कैसे किया जाना चाहिए किस तरह के कार्यक्रमों को अनुमति देनी है और किस कदर शर्तें मनवानी है। इस प्रक्रिया पर सख्ती से अमल आवश्यक है।

भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं आयोजन के समापन के वक्त होती हैं। फरवरी, 2013 में प्रयाग में कुंभ से लौटती भीड़ के कारण रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ हो या हाथरस की ताजा घटना, समस्या आखिरी लम्हों में ही पैदा हुई। इसकी दो वजहें मानी जाती हैं। पहली, आखिरी वक्त में पुलिसकर्मी सुस्त पड़ जाते हैं और कहीं-कहीं तो वापस भी लौट जाते हैं। इसके कारण शरारती तत्वों को बखेड़ा करने का मौका मिल जाता है। और दूसरी, आयोजनों में शामिल होने के लिए श्रद्धालु बेशक टुकड़े-टुकड़े में आते हैं, पर आयोजन स्थल से निकलते समय एक झुंड में बाहर आते हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति होती है। इसे संभालने का दायित्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर होता है। कुंभ के दौरान तो प्रयागराज के जोनल आईजी को आसपास के 10-12 जिलों के यातायात और भीड़ प्रबंधन का प्रमुख बनाया जाता है, ताकि श्रद्धालुओं के आने-जाने का उचित प्रबंधन हो सके।

यहां एक और मसला है, जो मैंने अपनी पुलिस सेवा के दौरान वर्ष 2001 के कुंभ में देखा था। यह है लोगों की मानसिकता। मैं और तत्कालीन एसएसपी लोगों से यह कहते-कहते थक गए कि वे स्नान कर लें, ताकि भीड़ कुछ कम हो, लेकिन 'अमृत-बूंद के गिरने' के नजदीक ही नहाने पर लोग अड़े रहते थे। कोई इससे पहले नहाने को तैयार नहीं होता था, जिसके कारण भीड़ का दबाव बढ़ जाता था। चूंकि अगले वर्ष प्रयागराज में फिर से कुंभ का आयोजन हो रहा है, इसलिए स्थानीय प्रशासन के लिए यह सबक जैसा है कि भीड़ प्रबंधन के लिए उसे दो बड़ी चुनौतियों से पार पाना होगा। एक, लोगों की मुहुर्त देख नहाने की जिद और दूसरा, संगम स्थल के पास ही स्नान की लालसा। हर आदमी एक खास समय में यह काम करना चाहेगा, जिस कारण अराजकता हो सकती है। इसको संभालना आसान काम नहीं होगा।

जाहिर है, कुछ बातों का यदि ख्याल रखा जाए, तो ऐसे आयोजनों में होने वाले दुखद हादसों पर हम काफी हद तक लगाम लगा सकते हैं। सबसे पहले तो पुख्ता बंदोबस्त आवश्यक है, फिर एसओपी का पालन सुनिश्चित करना होगा। इसके बाद नियमों व शर्तों के पालन में सख्ती दिखानी होगी और फिर, बिना डरे हुए भीड़ का उचित प्रबंधन करना होगा। चूंकि लोग ऐसे आयोजनों से भावनात्मक रूप से भी जुड़े होते हैं, इसलिए उनकी मानसिकता को समझते हुए स्थानीय प्रशासन को उचित कदम उठाने होंगे। विशेषकर आखिरी लम्हों में खास सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि अप्रत्याशित हालात बनने की आशंका अंत में ही सबसे अधिक होती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय अदालतों पर मुकदमों का बोझ बढ़ाती लंबी जिरह

(राहुल मथान, साइबर विशेषज्ञ)

अपनी किताब द कोर्ट ऑन ट्रायल में अपर्णा चंद्रा, सीतल कलंत्री और विलियम हबर्ड ने भारतीय सुप्रीम कोर्ट के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए डेटा-संचालित दृष्टिकोण अपनाया है। शीर्ष अदालत के दस लाख से भी अधिक मामलों के डेटा-सेट का उपयोग करते हुए इन तीनों ने कई सवालों का उत्तर खोजने का प्रयास किया है। मसलन, क्या हमारी शीर्ष अदालत वास्तव में 'जनता का न्यायालय' है; क्या कुछ व्यक्तियों (बड़े नामचीन वकीलों) का इसके फैसलों पर ज्यादा असर है; क्या रोस्टर-मास्टर के तौर पर प्रधान न्यायाधीश मनपसंद पीठ को अहम मुकदमों को सौंपने की शक्ति के जरिये अपना प्रभाव बढ़ाते हैं; और क्या सेवानिवृत्ति के बाद नियुक्ति का वादा किसी न्यायाधीश के कार्यकाल के अंतिम दिनों के न्यायिक निर्णयों को प्रभावित कर सकता है

कताब की कुछ बातों से मैं सहमत नहीं हूं। जैसे, सुप्रीम कोर्ट जनता की अदालत है या नहीं, इसके आकलन के लिए अपनाई गई इनकी पद्धति। लेखक त्रयी ने इस आकलन के लिए मुकदमों को स्वीकृत किए जाने के आंकड़ों को देखा और तर्क दिया कि यह सचमुच लोगों की अदालत है, क्योंकि सुबूत बताते हैं कि न्यायालय ऐसे अधिक मामलों को स्वीकार करता है, जिनमें जीतने की संभावना नहीं होती। मेरी नजर में इस निष्कर्ष पर पहुंचने का यह पेचीदा तरीका है। सरल रास्ता यह होता कि विशेषाधिकार से रहित लोगों द्वारा दायर मुकदमों की संख्या गिनी जाती, और फिर उनमें से किस अनुपात में मुकदमे स्वीकार किए गए, इसका आकलन किया जाता।

इस किताब की कुछ बातों से मैं सहमत नहीं हूं। जैसे, सुप्रीम कोर्ट जनता की अदालत है या नहीं, इसके आकलन के लिए अपनाई गई इनकी पद्धति। लेखक त्रयी ने इस आकलन के लिए मुकदमों को स्वीकृत किए जाने के आंकड़ों को देखा और तर्क दिया कि यह सचमुच लोगों की अदालत है, क्योंकि सुबूत बताते हैं कि न्यायालय ऐसे अधिक मामलों को स्वीकार करता है, जिनमें जीतने की संभावना नहीं होती। मेरी नजर में इस निष्कर्ष पर पहुंचने का यह पेचीदा तरीका है। सरल रास्ता यह होता कि विशेषाधिकार से रहित लोगों द्वारा दायर मुकदमों की संख्या गिनी जाती, और फिर उनमें से किस अनुपात में मुकदमे स्वीकार किए गए, इसका आकलन किया जाता।

हालांकि, इसमें कई जानकारियां ऐसी हैं, जो काफी उपयोगी हैं। उदाहरण के लिए, सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के आंकड़े तो आंखें खोलने वाले हैं। शीर्ष अदालत में दर्ज सभी मामलों में से लगभग 40 प्रतिशत मुकदमे पांच साल से अधिक समय से

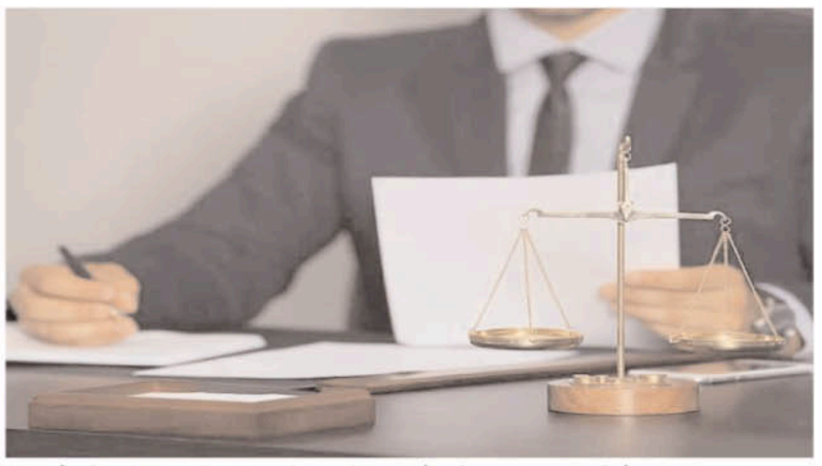

लंबित हैं, तो वहीं 7.7 फीसदी मामले 10 से भी अधिक वर्षों से लंबित पड़े हैं। हम सब भारतीय कानून प्रणाली की लेट-लतीफी से बखूबी वाकिफ हैं, पर यह कई लोगों के लिए एक झटका हो सकता है कि देश की सबसे ऊंची अदालत भी कुछ मामलों में उच्च न्यायालय जितना लंबा समय लेती है!

ये तीनों लेखक बैकलॉग समस्या का समाधान भी सुझाते हैं। उनके मुताबिक, मुकदमों में जिरह पर अनुचित जोर देरी का बड़ा कारण है। जाहिर है, हम मौखिक जिरह से बचते हुए लिखित प्रस्तुतियों से भी फैसले तक पहुंच सकते हैं, खासकर वाणिज्यिक विवाद के मामलों में, जहां निर्णय अक्सर तथ्य की खोज मात्र होता है। ये कुछ ऐसी कमियां हैं, जिनके हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि हम मानते हैं, यह न्यायिक प्रणाली की अपरिहार्य विशेषता है। यह एक गहरी धारणा है कि जब तक वकील मौखिक जिरह नहीं करेंगे, तब तक न्याय ही नहीं मिलेगा।

पिछले महीने, अमेरिका में एक अपीलीय न्यायाधीश के साथ मुझे सप्ताहांत बिताने का मौका मिला। उस दौरान हमने भारतीय न्यायिक प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और यह जानने की भी कोशिश की कि अमेरिका में काम करने के तरीके से यह कैसे भिन्न है मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कई मामलों में अमेरिकी न्यायाधीश केवल लिखित दलीलों की बिना पर ही मुकदमों का फैसला करते हैं। मौखिक जिरह के लिए भी वहां एक सख्त समय-सीमा की व्यवस्था है। आम तौर पर छोटे मामलों में हर पक्ष के लिए 10 मिनट से अधिक नहीं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण (मृत्युदंड) मामलों में हरेक पक्ष को 30 मिनट तक मौखिक जिरह की अनुमति होती है।

जब मैंने उनसे पूछा कि सिर्फ 20 मिनट की मौखिक जिरह के बाद किसी मुकदमे का फैसला करते हुए उन्हें कैसा लगता है, तो उनका जवाब था, लगभग हरेक मामले में उनका निर्णय काफी हद तक लिखित दलीलों पर आधारित होता है। जब वकील मौखिक जिरह करते हैं, तब वह उस समय का उपयोग उन मुद्दों पर स्पष्टीकरण पाने के लिए करती हैं, जो लिखित प्रस्तुतियों में तफसील से शामिल नहीं किए गए होते।

अपने देश में 30 मिनट निराशाजनक रूप से कम लग सकते हैं। लेकिन यदि यह अमेरिका में काम कर सकता है, तो कोई वजह नहीं कि यहां यह काम न करे। न्यायिक दक्षता बढ़ाने के लिए भारतीय अदालतों में मौखिक जिरह पर एक समय-सीमा लगाने की कोशिश होनी चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5423

1	2		3	■	4	5	
6		■	7	8			■
9		10	■	11		■	12
	■	13		■	14	15	
16	17		■	18	■		■
■		■	19		20		
■	21	22		■	23		■
24			■	25		■	■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1965 को इस देश में संविधान लागू हुआ था (4)
4. चतुर, होशियार, प्रवीण, प्रसन्न (3)
6. सर्वसाधारण, लोग, पुराणानुसार पांचवां लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है (2)
7. आतंक, भय (4)
9. सनिश्चय नहीं, बिल्कल नहीं (3)
11. प्रेम, प्यार, मोहब्बत (2)
13. नजदीक, करीब, समीप, निकट (2)
14. मुर्ग की जाति का एक प्रसिद्ध पक्षी, कपिंजल (3)
16. चमड़े आदि का कोड़ा यह कहलाता है (3)
19. किसी का नाम किसी बात, आदि के लिए निश्चित किया जाना (5)
21. अखबार, दस्तावेज आदि का विधिक पत्र, समाचार पत्र (3)
23. मुझे (मराठी)(2)
24. धूल आदि साफ करने की वस्तु (3)
25. सोने, चांदी आदि पर बनाया जाने वाला रंगीन काम (2)

ऊपर से नीचे

1. इस डायरी में प्रतिदिन की कार्रवाई का विवरण लिखा जाता है (5)
2. स्वीकार करना, धारण को स्थिर करना, सम्मान करना (3)
3. स्मरण, स्मृति (2)
4. पुराणानुसार यह अप्सराओं की जननी है (4)
5. सौ का सूचक अंक (2)
8. निराकरण, निष्पत्ति, एक कृषि उपकरण (2)
10. अशुद्धि, अशुचि, अपवित्र, बेदाग (3)
12. यह मरूस्थल भारत के उत्तर पश्चिम में तथा पाकिस्तन के दक्षिण-पूर्व में स्थित है (2)
15. स्थानांतर, परिवर्तन (4)
17. यह हंगरी की राजधानी है (4)
18. आकाश, अंतरिक्ष, आसमान (2)
19. नारी का अपभ्रंश, गला, गर्दन (2)
20. दृढ़तापूर्वक बैठना, तरल पदार्थ का ठोस रूप में बदलना (2)
22. किंतु, परंतु, डैना, लेकिन (2)

वर्ग पहेली 5422 का हल

रा	जी	व	गां	धी	■	अ	दा
ज	त	न	■	र	म	जा	न
की	■	ज	न	ता	■	न	व
य	क्ष	■	या	■	दु	■	गु
■	ति	■	दौ	■	आ	ब	रू
अ	■	■	र	सि	क	■	■
स	हि	त	■	ता	र	पी	न
म	त	■	गा	र	ना	■	ट

'परिवार' का मूल्य समझाता पश्चिम, हमें भी इस तरफ सोचने की जरूरत

(क्षमा शर्मा)

हाल ही में एक खबर ने चकित किया। उसमें बताया गया था कि अब स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातिनों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की सवैतनिक छुट्टी मिलेगी। यह कानून वहां की संसद में पास किया गया है। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं।

इस खबर को पढ़कर वे घटनाएं याद आती हैं, जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातिनों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में खलल की तरह महसूस होता है। इस लेखिका ने यूरोप में ऐसे अनेक लोगों को देखा है, जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। कहने का अर्थ यह कि इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में।

लेकिन विभिन्न विमर्शों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर भी उनकी कोई सुध नहीं लेते।

इसीलिए वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर पर्सनल कॉलम्स में बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूंजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते।

ऐसी भी खबरें आती हैं कि जब माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। वहां के बहुत से बच्चे कम उम्र में ही ऐसी तमाम गतिविधियों में लग जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए अच्छी नहीं हैं। लेकिन जिन विचारों को फैलाकर पश्चिम ने परिवारों को नेस्तनाबूद किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। भौतिक विकास का योग अच्छा है और आपको करियर में सफलता मिलने के योग हैं। कारोबार में कोई खास डील फाइनल हो सकती है। शुभ योग के निर्माण से आज आपको व्यवसाय में अचछा मुनाफा होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी और लाभ होगा।

वृषभ

आज लाभ का दिन है और आज आपका मन नई योजनाओं में लगेगा। कहीं यात्रा पर जाने से मन को प्रसन्नता होगी और योजनाएं पूर्ण होंगी। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। स्थान परिवर्तन के योग हैं और उसमें आपको लाभ और तरक्की होगी। आपके पराक्रम की वृद्धि होगी।

तुला

आज दिन लाभकारक है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रॉजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस-पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे। आपके घर में सुख समृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक

आज आर्थिक मामलों में आज का दिन बहुत लाभ होगा। आज का दिन काफी मजबूत है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यशील रहें और अपने काम पर फोकस करें। परिवार में सुख शान्ति और स्थिरता का आनन्द उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा।

मिथुन

आज दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव काम को पूरा करने में आपको खुशी होगी और आपकी तरक्की होगी। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आयेंगी।

कर्क

आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

धनु

आज बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो आपको बड़ा लाभ होगा। रोजमर्रा के काम से परे कुछ नये कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस-पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

मकर

आज का दिन सामान्य है। साझे में किया व्यापार आपको काफी लाभ देगा। घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है। आपको अपने संतान के करियर के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। हाथ में एक साथ कई काम लेने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है।

सिंह

आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। धर्म और आध्यात्म के मामले में पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रुकावट डालने की कोशिश करेंगे। आपको इनको इग्नोर करना है।

कन्या

आज का दिन हर काम को सावधानी से करने का है। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें।

कुंभ

आज लाभ होगा। जो भी कार्य अपने हाथ में लेंगे उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें। परिवार के मामले में कोई ऐसा फैसला न करें कि आपको लेने के देने पड़ जाएं।

मीन

आज का दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सही करें तो आपको लाभ होगा। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

बीकानेर में भारी बारिश, फैक्ट्री की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान के बीकानेर शहर में शुक्रवार को मानसून की बारिश का जोरदार आलम देखने को मिला. दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव हुआ। तेज धूल भरी आंधी के बाद जमकर बारिश हुई। बारिश के चलते बीछवाल थाना क्षेत्र में एक फैक्ट्री की दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। थानाधिकारी नरेश निर्वाण ने बताया कि शोभासर इलाके में गोटा फैक्ट्री में यह हादसा हुआ। फिलहाल यह फैक्ट्री बंद हो गई। मृतक मजदूरों को लेकर अभी तक जानकारी सामने नहीं आई है। बीकानेर में मानसून की जोरदार बारिश से शहर की सड़क पूरी तरह से तरबतर हो गई। दूसरी तरफ राजधानी जयपुर में सड़क धस गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।बारिश से वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा और कई जगह वाहन चालक बंद गाड़ी को खींचते देखे गए।तेज बारिश से शहर के कई इलाकों में पानी भर गया. लोगों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के साथ चली तेज हवा से कई जगह नुकसान हुआ। कई जगह पेड़ गिरे हैं और बिजली के पोल भी गिरने के समाचार मिल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है।

राहुल गांधी ने फिर उठाया अग्निवीर का मुद्दा, बोले– नहीं मिली सरकारी मदद, माफी मांगें राजनाथ

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि पंजाब के शहीद अग्निवीर अजय कुमार के परिवार को सरकार ने कोई मुआवजा नहीं दिया और परिवार को बीमा की राशि मिली है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा, शहीद अग्निवीर अजय कुमार जी के परिवार को आज तक सरकार की ओर से कोई मुआवजा नहीं मिला है। राहुल गांधी ने कहा कि मुआवजे और बीमा में फर्क होता है तथा शहीद के परिवार को सिर्फ बीमा कंपनी की ओर से भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा, सरकार की ओर से जो सहायता शहीद अजय कुमार के परिवार को मिलनी चाहिए थी, वो नहीं मिली है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के लिए जान देने वाले हर शहीद के परिवार का आदर किया जाना चाहिए, पर मोदी सरकार उनके साथ भेदभाव कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, सरकार कुछ भी कहे, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और मैं इसे उठाता रहूंगा। 'इंडिया' गठबंधन सेना को कभी कमज़ोर नहीं होने देगा। सेना ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में किए गए उन दावों को खारिज कर दिया था कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले अग्निवीर अजय कुमार के परिजनों को मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया। सेना ने कहा था कि परिवार को देय राशि में से 98.39 लाख रुपये का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। इसने स्पष्टीकरण में कहा कि कुल राशि लगभग 1.65 करोड़ रुपये होगी। यह स्पष्टीकरण राहुल गांधी द्वारा 'एक्स' पर अजय के पिता का एक वीडियो साझा करने के बाद आया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि उन्हें कोई पैसा नहीं मिला है। गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया था कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'अग्निवीर' की मृत्यु की स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक सहायता मिलने के बारे में संसद के भीतर झूठ बोला। उन्होंने कहा था कि राजनाथ सिंह को संसद, देश और सेना से माफी मांगनी चाहिए।

जहरीली शराब पीकर मरने वाले स्वतंत्रता सेनानी नहीं; 10 लाख के मुआवजे के विरोध में हाईकोर्ट में याचिका

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की सरकार के द्वारा कल्लकुरिची शराब त्रासदी के सभी पीड़ितों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने के आदेश को रद्द करने के लिए मद्रास हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। मोहम्मद गौस द्वारा दायर जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि मुआवजे की राशि अधिक है। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए दो सप्ताह बाद की तारीख देने के लिए कहा है। उन्होंने कहा, जहरीली शराब के शिकार लोग स्वतंत्रता सेनानी या सामाजिक कार्यकर्ता नहीं थे। उन्होंने आम जनता या समाज के लिए अपनी जान गंवाई नहीं गंवाई है। नकली शराब पीकर अवैध कार्य किया और उनकी जान गई। गौस के अनुसार, नकली शराब पीना एक अवैध कार्य है। राज्य को उन लोगों पर दया नहीं करनी चाहिए, जिन्होंने नकली शराब पीकर अवैध कार्य किया और उनकी जान चली गई। उन्होंने कहा कि मुआवजा केवल दुर्घटनाओं के पीड़ितों को दिया जाना चाहिए, न कि उन लोगों को जिन्होंने अपने आनंद के लिए अवैध कार्य किया हो। उन्होंने कहा कि नकली और जहरीली शराब त्रासदी के सभी पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश अनुचित और मनमाना है। नकली शराब पीने वालों को मुआवजा देने से मना किया जाना चाहिए तथा उन्हें पीड़ित नहीं माना जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने कहा कि यह स्पष्ट और न्यायसंगत नहीं है कि किस आधार पर राज्य सरकार आग या किसी अन्य दुर्घटना के पीड़ितों को कम मुआवजा दे रही है। और उसी समय जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों को भारी राशि दे रही है।

कश्मीर में चुन-चुनकर मारे जाएंगे पाकिस्तान से भेजे गए आतंकवादी, सेना ने बनाया प्लान

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के सफाए के लिए सुरक्षा बल और जांच एजेंसियां कई स्तरों पर रणनीति बनाकर काम कर रही हैं। एक तरफ घुसपैठ रोकने का ठोस ब्लूप्रिंट बनाया गया है। स्थानीय युवाओं के विशेष दस्तों कोघुसपैठ रोधी टीम में तैनाती किया जा रहा। वहीं लोकल ह्युमन इंटलीजेंस को मजबूत करने के लिए सीमावर्ती इलाको में युवाओं की टीम बनाकर उन्हें सुरक्षा बलों से जोड़ा जा रहा है। आतंक से आर-पार की लड़ाई के लिए स्पेशल तकनीकी टीम भी तैयार की गई है जो ह्युमन इंटलीजेंस इनपुट का त्वरित तकनीकी विश्लेषण करके इसकी अहम जानकारी सुरक्षा बलों से साझा करेगी। आतंकियों के मूवमेंट वाले इनाकों में कई टुकडियां मिलकर अभियान चलाएंगी। इसके अलावा एसपीओ की भर्ती बढ़ाने के लिए खाका तैयार है। वहीं अत्याधुनिक हथियारों के साथ सीआरपीएफ की कई बटालियन संवेदनशील इलकों में तैनात की जा रही है। यह बटालियन आतंकरोधी अभियान में विशेष रूप से दक्ष हैं। सेना के सहयोग के साथ हर स्तर पर एंटी टेरर यूनिट सक्रिय की गई है।

एक अधिकारी ने कहा कि हमारा फोकस समयबद्ध तरीके से आतंक के गढ़ का खात्मा करने के अलावा नए क्षेत्रों में आतंक का प्रसार रोकना है। जांच एजेंसियों को भी आतंकी मददगार तंत्र पर नकेल

कसने में तेजी को कहा गया है। सूत्रों ने कहा कि सीमा पार पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका लगातार बड़े हमले करवाने की फिराक में हैं। सेना और सुरक्षाबलों को मिले विशेष इनपुट के मुताबिक फिलहाल कश्मीर घाटी में कुल 135 आतंकवादी एक्टिव हैं। इनमें से 110 पाकिस्तानी हैं।

आतंक की कमर तोड़ने का पूरा खाका

एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद आखिरी चरण में है। दरअसल इसके पीछे सुरक्षा एजेंसियों की ओर से बनाया गया वह ब्लूप्रिंट है जिसमें आतंक की कमर तोड़ने का पूरा खाका है। पहला लक्ष्य घाटी में मौजूद आतंकियों का खात्मा करना है और उनके मददगारों की भी कमर तोड़नी है। आतंकी मददगारों पर आंतक की धाराओं के तहत सख्ती के अलावा उनकी संपत्तियों की जब्ती की जा रही है। सरकार और सुरक्षाबल आतंक से निपटने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

आतंकी सुरक्षाबलों के लिए चुनौती : सूत्रों ने कहा, अभी भी घाटी में सौ से ज्यादा पाकिस्तानी आतंकी सुरक्षाबलों के लिए चुनौती हैं। सुरक्षा बल इन्हें मार गिराने की रणनीति पर काम कर रहे। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में लगातार एक क्रिटिकल संख्या बनाए रखता है। यह संख्या कम होती है तो नए आतंकी घुसपैठ करके आ जाते हैं। पिछले कुछ सालों में घुसपैठ रोधी तंत्र को बेहद मजबूत बनाया गया है, लेकिन आतंकी मददगारों के जरिए नए इलाकों को टार्गेट करके घुसपैठ करते हैं। घाटी में सख्ती के बाद जम्मू को निशाना बनाने की कोशिश शुरू हो गई।

अग्रिम मोर्चों पर स्थानीय दस्ते : सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की घुसपैठ में वृद्धि को रोकने के लिए अब स्थानीय दस्तों को अग्रिम मोर्चों पर लगाया जा रहा। जम्मू संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में नई टुकडियां तैनात की गई हैं। घुसपैठ-रोधी और आतंकवाद-रोधी टीम पूरी तरह से इसी मकसद के लिए काम करेगी। सीमावर्ती गांवों से ऐसे युवाओं को आतंकरोधी अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा जो इलाके को अच्छी तरह से जानते हैं। दुश्मन की रणनीति को भी समझते हैं। सूत्रों ने बताया कि विशेष रूप से प्रशिक्षित कर्मियों को उनकी संबंधित सीमावर्ती तहसीलों में तैनात करके मानव खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर भी काम हो रहा है।

सुक्खू को अनुराग की चेतावनी, बोले- धमकी न दें, भाजपा जानती है तानाशाहों से काम लेना

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में 10 जुलाई को तीन विधानसभा उपचुनाव को लेकर प्रचार जोरों पर है। कांग्रेस और भाजपा नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के तीर चला रहे हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने धमकी दी है कि अगर आगामी विधानसभा उपचुनाव में विपक्षी दल के नेता जीतते हैं तो उनका काम नहीं करेंगे। ठाकुर ने कहा कि उनका यह बयान उनके तानाशाही रवैये को दर्शाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार आशीष शर्मा के लिए वोट मांगें। इस दौरान उन्होंने कई बैठकों को संबोधित किया। ठाकुर ने कहा कि सीएम विधायकों को धमकी दे रहे हैं। कह रहे हैं कि अगर कोई भी विपक्षी व्यक्ति विधायक के रूप में चुना जाएगा, तो वह लोगों के काम नहीं करवा पाएगा। यहां सरकार कांग्रेस की है और वह मुख्यमंत्री हैं। ठाकुर ने कहा कि सुक्खू की ऐसी धमकियां दिखाती हैं कि वह बेहद तानाशाह हैं। उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई विश्वास नहीं है। उन्होंने सुक्खू को चेतावनी दी कि वह ऐसी बातें न कहें, क्योंकि भाजपा जानती है कि तानाशाहों से कैसे काम लेना है। सुक्खू ने अपने भाषणों में कहा था कि निर्दलीय विधायकों के रूप में तीन भाजपा उम्मीदवारों ने दावा किया था कि उनके काम नहीं हो रहे थे। अब अगर वे जीतते हैं तो अपना काम कैसे कराएंगे। राज्य में कांग्रेस की सरकार है। ठाकुर ने कहा कि भाजपा विकास के लिए जानी जाती है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिश की है। फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने वाले तीन निर्दलीय विधायकों के सदन से इस्तीफा दे दिया था।

बसपा अध्यक्ष आर्मस्ट्रांग की हत्या पर मायावती ने जताया दुख, कहा- अति निंदनीय, तमिलनाडु सरकार ले एक्शन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को तमिलनाडु बसपा अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या पर दुख जताया और हत्या की कड़ी निंदा की। मायावती ने तमिलनाडु की एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार से दोषियों को दंडित करने को कहा। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार देर रात एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीएसपी तमिलनाडु स्टेट यूनिट के अध्यक्ष श्री के. आर्मस्ट्राँग की आज शाम उनके चेन्नई आवास के बाहर की गयी नृशंस हत्या अति-दुःखद व अति-निन्दनीय। पेशे से वकील श्री आर्मस्ट्राँग राज्य में दलितों की सशक्त आवाज़ के रूप में जाने जाते थे। सरकार दोषियों के खिलाफ अविलम्ब सख्त कार्रवाई करे। गौरतलब हो कि तमिलनाडु बसपा अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को चेन्नई के पेरम्बूर जिले में उनके आवास के बाहर 6 बाइक सवारों के एक गैंग ने हत्या कर दी। एडप्पादी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से सख्त कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया ताकि आर्मस्ट्रांग का अंतिम संस्कार शांतिपूर्वक किया जा सके। चेन्नई पुलिस ने हत्या की जांच के लिए 10 विशेष टीमों का गठन किया है। इससे पहले, एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, आर्मस्ट्रांग की हत्या के विरोध में बसपा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चेन्नई में एक सड़क को अवरुद्ध कर दिया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

सरोगेसी से मां बनने पर महिला कर्मचारी मैटर्निटी लीव की अधिकारी नहीं? :ओडिशा हाई कोर्ट

भुवनेश्वर, एजेंसी। सरोगेसी से मां बनने वाली को महिला कर्मचारी को मैटरनिटी लीव पर कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सरोगेसी से मां बनने वाली महिला कर्मचारी भी मैटरनिटी लीव की पूरी हकदार है। कोर्ट ने कहा कि यह न सिर्फ महिला के लिए लाभदायक है, बल्कि नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी काफी बेहतर होगा। ओडिशा हाई कोर्ट में जस्टिस संजीब कुमार पाणिग्रही की सिंगल बेंच ने एक महिला कर्मचारी के केस में यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान के आर्टिकल 21 के तहत जीवन का अधिकार, मां बनने के अधिकार के साथ-साथ बच्चों के पूरे विकास का भी अधिकार देता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर सरकार एडॉप्टिव मां को मैटरनिटी लीव दे सकती है तो सरोगेसी से मां बनने वाली कर्मचारी को इससे वंचित रखना गलत होगा।

यह है मामला : इस मामले में याचिकाकर्ता गोपाबंधु एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में ज्वॉइंट डायरेक्टर (अकाउंट्स) है। याचिकाकर्ता 20 अक्टूबर 2018 को सरोगेसी से मां बनी थी। उसने 25 अक्टूबर 2018 से 22 अप्रैल 2019 तक के लिए मैटरनिटी लीव के लिए अप्लाई किया था। इसके साथ ही महिला ने 23 अप्रैल 2019 से 9 सितंबर 2019 के लिए ईएल भी अप्लाई किया था। उसने 10 सितंबर 2019 को वापस ज्वॉइन कर लिया गया था। महिला की छुट्टी का आवेदन सैंक्शन के लिए फाइनेंस डिपार्टमेंट में भेजा गया था। फाइनेंस डिपार्टमेंट के अंडर सेक्रेटरी ने महिला का आवेदन लौटा दिया था। साथ ही अधिकारियों से निवेदन किया था कि वह गवर्नमेंट सर्वेंट्स रूल्स के तहत इस तरह की छुट्टियां अप्लाई की जा सकती हैं या नहीं। ऐसा भी

संकेत दिया गया था कि रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी या सरोगेसी के जरिए मां बनने पर छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं है। कोर्ट पहुंची महिला कर्मचारी इसके बाद महिला ने हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने नोट किया कि ओडिशा सर्विस कोड के रूल 194 के तहत महिला कर्मचारी 180 दिनों की मैटर्निटी लीव की हकदार है। इतना ही नहीं, अगर महिला कर्मचारी किसी एक साल तक के बच्चे को गोद लेती है तो उस स्थिति में इस छुट्टी को एक साल के लिए बढ़ाया भी जा सकता है। हालांकि चौंकाने वाली बात यह थी कि इसमें सरोगेसी से मां बनने को लेकर कोई प्रावधान नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा श्रीमती चंदा केसवानी बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान मामले में सुनाए गए फैसले का रेफरेंस लिया। इस फैसले के मुताबिक अगर सरोगेसी असिस्टेंट रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (रेगुलेशंस) ऐक्ट, 2021 के तहत की गई है तो महिला कर्मचारी को मैटरनिटी लीव से इनकार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कही यह बात : जस्टिस पाणिग्रही ने बॉम्बे हाई कोर्ट के डॉ. मिसेज हेमा विजय मेनन वर्सेस स्टेट ऑफ महाराष्ट्र से भी रेफरेंस लिया। जस्टिस पाणिग्रही ने अपने फैसले में कहा कि सरोगेसी से मां बनने वाली कर्मचारी को भी मैटरनिटी लीव मिलनी चाहिए। इससे सभी नई मांओं को समानता का भाव मिलेगा और समर्थन मिलेगा। कोर्ट ने आगे कहा कि इसके अलावा बच्चे के जन्म के बाद के शुरुआती महीने बेहद अहम होते हैं। इस दौरान बच्चा अपनी मां से घुलता-मिलता है। उसके अधिक देख-रेख की काफी ज्यादा जरूरत होगी। यह बच्चे के विकास के लिए बेहद अहम है।

महाकुंभ 2025: सावन के पांच सोमवार को बंद रहेंगे निर्माण कार्य, इन मंदिरों में रहेगी जलाभिषेक की भीड़

प्रयागराज, एजेंसी। भगवान भोलेनाथ को समर्पित पवित्र सावन मास 22 जुलाई को सोमवार से शुरू हो रहा है। जलाभिषेक के लिए शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में महाकुम्भ के मद्देनजर प्रयागराज के शिवालयों में कराए जा रहे निर्माण कार्य सावन के पांचों सोमवार को बंद रहेंगे। पर्यटन विभाग की ओर से महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के शिवालयों की भव्यता दिखाने के लिए सौंदर्याकरण कराया जा रहा है। इनमें प्राचीन दशाश्वमेध मंदिर, नागवासुकि मंदिर, कोटेश्वर महादेव, मनकामेश्वर महादेव मंदिर, पड़िला महादेव और दरियाबाद स्थित तक्षक तीर्थ प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन शिवालयों में सौंदर्याकरण का कार्य चल रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, अपराजिता सिंह ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सावन में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। जिन शिवालयों में सौंदर्गीकरण का कार्य कराया जा रहा है, वहां की कार्यदायी संस्था को सोमवार को कार्य बंद रखने के लिए कहा गया है। इस बार पांच सोमवार सावन मास में इस बार पांच सोमवार पड़ रहा है। पहला 22 जुलाई, दूसरा

29 जुलाई, तीसरा पांच अगस्त, चौथा 12 अगस्त व पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है। इन पांच सोमवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। इसीलिए पर्यटन विभाग ने उप्र स्टेट टूरिज्म डवलपमेंट व उप्र प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसी कार्यदायी संस्था को सोमवार के दिन सौदर्गीकरण का कार्य ना करने के लिए पत्र लिखा है। शहर में नहीं प्रवेश करेंगे बाहर से आने वाले वाहन महाकुम्भ 2025 में दूसरे जिलों से आने वाले वाहन अब शहर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। पहली बार प्रयागराज मेला प्राधिकरण और यातायात पुलिस ने ऐसा प्लान तैयार किया है कि कानपुर से आने वाले वाहन भी शहर के बाहर बाहर सीधे बाईपास के जरिए आएंगे। मलाका से उन्हें स्टैनली रोड पार्किंग लाया जाएगा और यहां से श्रद्धालु मजार तिराहे के रास्ते रीवर फ्रंट टाइप रोड से संगम जाएंगे। अब तक कुम्भ मेलों में कानपुर से आने वाले वाहन सीधे शहर में आते थे। इस बार प्रशासन ने ऐसा ब्लू प्रिंट तैयार किया है, जिससे यहां के वाहन भी बाहर ही रहे। इधर से फाफामऊ की ओर लाकर मलाका में निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल से सीधे स्टैनली रोड तक लाया जाएगा। यहां से सभी को सीधे संगम भेजा जाएगा।

अभय मुद्रा को गुरु नानक से जोड़ने पर घिरे राहुल गांधी, भड़क गई संस्था एसजीपीसी

अमृतसर, एजेंसी। अभय मुद्रा को गुरु नानक देव से जोड़ने पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी घिर गए हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कांग्रेस नेता की ओर से संसद में की गई हालिया टिप्पणियों पर शुक्रवार को कड़ा संज्ञान लिया। साथ ही, उन पर अभय मुद्रा को गुरु नानक देव की विचारधारा से जोड़ने का आरोप लगाया। एसजीपीसी ने बयान में कहा, 'राहुल गांधी ने गुरु नानक का संदर्भ देते हुए कहा कि गुरु साहब की छवि अभय मुद्रा दर्शाती है, यह पूरी तरह से गलत है। प्रस्ताव में यह स्पष्ट किया गया कि गुरु साहब ने ऐसी किसी भी मुद्रा या आसन को मान्यता नहीं दी। उन्होंने केवल एक अकाल पुरख के साथ जुड़ने की शिक्षा दी।' संसद में राहुल गांधी की ओर से गुरु नानक देव के दर्शन और छवि को लेकर की गई टिप्पणियों पर एसजीपीसी ने कड़ा ऐतराज जताया। कमेटी ने कहा कि पवित्र गुरबानी और गुरुओं की शिक्षाओं को पूरी जानकारी के बिना राजनीतिक बहस का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। अक्सर राजनीतिक लोगों द्वारा गुरुओं के मूल सिद्धांतों और पवित्र गुरबानी के अर्थ की भी गलत व्याख्या की जाती है, जिससे सिखों की भावनाएं आहत होती हैं। प्रस्ताव के जरिए एसजीपीसी ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि संसद की कार्यवाही के दौरान किसी की भी धार्मिक भावनाएं आहत न हों। आखिर संसद में राहुल गांधी ने क्या कहा था? राहुल गांधी ने 1 जुलाई को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान बोलते हुए पैगंबर मुहम्मद का हवाला दिया था। उन्होंने कहा था कुरान निर्भयता की बात करता है। उन्होंने कहा था कि जब हाथ दुआ में उठाए जाते हैं तो एक तरह से अभय मुद्रा भी देखी जा सकती है। उन्होंने निर्भयता के महत्व को रेखांकित करने के लिए भगवान शिव, गुरु नानक और ईसा मसीह की तस्वीरें हाथ में लेकर हिंदू धर्म, इस्लाम, सिख धर्म, ईसाई धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उल्लेख किया था। स्वर्ण मंदिर परिसर में प्रचार के लिए वीडियोग्राफी पर रोक एसजीपीसी ने किसी भी कलाकार या अभिनेता को स्वर्ण मंदिर परिसर में अपने प्रचार के लिए वीडियोग्राफी करने से रोकने का भी आदेश दिया। यह कदम फैशन डिजाइनर अर्चना मकवाना द्वारा हरमंदर साहिब में योग किए जाने के कुछ दिन बाद आया है। ये निर्णय अमृतसर में आयोजित एसजीपीसी की कार्यकारी समिति की बैठक में लिए गए। फैशन डिजाइनर मकवाना पर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्वर्ण मंदिर परिसर में योग के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, मकवाना ने माफी मांगते हुए कहा था कि उनका इरादा कभी भी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था।

छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर कुएं में घुसने से नौ की मौत, जहरीली गैस का संदेह

जांजगीर-चांपा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा और कोरबा में शुक्रवार को कुएं में घुसने के बाद दो अलग-अलग घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे तथा पिता-पुत्री भी शामिल हैं। पुलिस को संदेह है कि इन लोगों की मौत जहरीली गैस के कारण हुई है। बिलासपुर रेंज के आईजी संजीव शुक्ला ने बताया कि जांजगीर-चांपा के बिर्रा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत किकिरदा गांव में कुएं में घुसने से रामचंद्र जयसवाल (60), रमेश पटेल (50), उनके दो बेटे राजेंद्र (20) और जितेंद्र (25) और टिकेश्वर चंद्रा (25) की मौत हो गई। जायसवाल लकड़ी की पट्टी निकालने के लिए अपने घर के परिसर में स्थित 30 फुट गहरे कुएं में घुसे थे। जब जायसवाल कुएं के अंदर बेहोश हो गए तो उनकी पत्नी मदद के लिए चिल्लाई। उसके बाद पड़ोस में रहने वाले पटेल परिवार के तीन अन्य लोग कुएं में उतरे। जब उनमें से कोई भी बाहर नहीं आया तो टिकेश्वर चंद्रा भी कुएं में घुस गया। वह भी अंदर जाकर बेहोश हो गया। आईजी ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कुएं के अंदर जहरीली गैस के कारण लोगों की मौत हो गई। हालांकि शवों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही सटीक कारण का पता चल सकेगा। जिला प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार, कुछ अधिकारियों ने उन्हें बताया कि 5 फीट जल स्तर वाला रिंग वेल 30 फीट गहरा था। जयसवाल ने

लगभग चार महीने से इस्तेमाल नहीं किया गया था। इस वजह से कुएं के अंदर जहरीली गैसें जमा हो गई थीं। उन्होंने बताया कि कुएं को ढंकने के लिए लकड़ी की पट्टियों का इस्तेमाल किया गया था। पिछले दिनों में क्षेत्र में आई आंधी के कारण उनमें से एक पट्टी कुएं में गिर गई थी। उसी पट्टी को निकालने के लिए जायसवाल कुएं में घुसे थे। उधर, कोरबा में हुई इसी तरह की दूसरी घटना में चार लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों की पहचान जहरू पटेल (60), उनकी बेटी सपीना (16) और परिवार के दो अन्य सदस्य शिवचरण पटेल (45) और मनबोध पटेल (57) के रूप में हुई है। कोरबा के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जहरू दोपहर करीब एक बजे अपने खेत पर काम करते समय कुएं में गिर गया। उसकी बेटी उसे बचाने के लिए कुएं में घुस गई। जब दोनों बाहर नहीं आए तो दो अन्य लोग कुएं में उतरे और बेहोश हो गए। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कुएं के अंदर कोई जहरीली गैस थी, जिसके कारण पीड़ितों का दम घुट गया और वे डूब गए। पुलिस के अनुसार, दोनों घटनाओं में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों ने शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोनों घटनाओं पर दुख व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

अभय सिंह एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप के दो सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभाशाली अभय सिंह जोहोर (मलेशिया) में चल रही एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में दो सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शुक्रवार को, एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिश्रित युगल के अंतिम चार में पहुंच गए और राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार के साथ पुरुषों के ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहे और सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में, अभय और वेलावन ने मलेशिया के हाफ़िज़ ज़फ़री / डंकन ली को 11-3, 11-9; से तथा हांगकांग के लाउ त्सज़ क्रान / चुंग याट लुंग को 11-8, 11-10 से हराया । मिश्रित युगल में क्वार्टरफ़ाइनल में अभय और जोशना ने मलेशियाई जोड़ी सयाफिक कमाल / ऐरा आज़मान को 11-9, 11-6 से पराजित किया।

पुर्तगाल वर्सेस फ्रांसः

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन, एजेंसी। फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था। फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

उसने शुक्रवार खेले गए मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

पेरिस ओलंपिक

पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते : साइना नेहवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी।

साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी। सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। साइना ने कहा, आप पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी भी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते। सिंधू कई वर्षों से वास्तव में अच्छा खेल रही है और उसके पास काफी अनुभव है। यह सिर्फ इतना है कि उस विशेष टूर्नामेंट में क्या होता है, यह उस समय पर निर्भर करेगा जब आयोजन शुरू होगा।

पिछले छह – सात महीने में वह ज्यादा मैच नहीं जीती है लेकिन यह मुकाबले काफी करीबी रहे हैं। उन्होंने कहा, जीत या हार आपकी लय को नहीं दिखाते हैं लेकिन आप कभी भी इसे हासिल कर सकते है। शीर्ष स्तर पर सभी खिलाड़ी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे यकीन है कि सिंधू लय और पदक हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत पूरी कोशिश कर रही होंगी। सिंधू के लिए पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह रही है कि वह मैच पर पकड़ बनाने के बाद उसे जीत में नहीं बदल पा रही है।

सिंधू इस समय जर्मनी के सारब्रुकन में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को को अंतिम रूप दे रही हैं। साइना ने कहा कि ऐसी चिंताओं (अच्छी स्थिति से मैच हारना) से छुटकारा पाने के लिए अभ्यास ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, इन खामियों को अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है। आपके अभ्यास में कमी है तो कोई भी खिलाड़ी आपको हरा सकता है लेकिन अगर अपने अच्छे से प्रशिक्षण लिया है तो ऐसी चीजें कम होंगी। यह वास्तव में मायने रखता है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। हैदराबाद की इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पुरुष युगल में हमारे पास स्वर्ण जीतने की बहुत मजबूत संभावना है। उन्होंने कहा, पुरुष एकल बहुत मुश्किल है क्योंकि उनमें से 10-11 खिलाड़ी समान स्तर पर हैं। मुझे यकीन है कि हम परिणाम केवल उस विशेष तारीख पर ही जान पाएंगे क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि एक खिलाड़ी उस टूर्नामेंट में कैसा खेलेगा। पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन भारत की कमान संभालेंगे।

घुटने की चोट के कारण पिछले साल जून में सिंगापुर ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद से साइना ने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। साइना ने कहा कि वह वापसी की कोशिश कर रही है लेकिन घुटने की चोट से हाल फिलहाल में ऐसा संभव नहीं है।

गॉफ ने कार्टल को हराया, राडुकानू सकारी को हराकर चौथे दौर में

लंदन, एजेंसी। दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ ने खचाखच भरे नंबर 1 कोर्ट पर ब्रिटिश क्वालीफायर सोने कार्टल को सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से हरा दिया, जबकि पूर्व यूएस ओपन विजेता और वाइल्ड कार्ड एम्मा राडुकानू नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी को हराकर शुक्रवार को यहां विंबलडन में महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गईं।

दुनिया की 298वें नंबर की कार्टल शुक्रवार को आत्मविश्वास के साथ कोर्ट पर उतरी थीं और ओपन युग में क्वालीफाइंग के बाद तीसरे दौर में पहुंचने वाली वह केवल दूसरी ब्रिटिश महिला थीं। वह शायद गॉफ का अनुकरण करने की उम्मीद कर रही होंगी, जिन्होंने 2019 में इसी कोर्ट पर 15 साल की उम्र में सनसनी फैला दी थी, जब उन्होंने पांच बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को चौंका दिया था। लेकिन कार्टल की यात्रा केवल एक घंटे में समाप्त हो गई क्योंकि गॉफ उससे आगे निकल गई और कुल मिलाकर केवल चार गेम ही गंवाए। जैसे ही बंद नंबर 1 कोर्ट की छत पर बारिश हुई, गॉफ दूसरे सप्ताह तक पहुंचने के लिए आसान विजेता बनकर उभरी और यहां अब तक के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। यूएस ओपन चैंपियन को अगर यहां अपना प्रवास बढ़ाना है तो उन्हें अगले दौर में तेजी से उभरती हमवतन एम्मा नवारो को हराना होगा। जब गॉफ़ एक स्थानीय स्टार से बेहतर प्रदर्शन कर रही थी, तभी एक और स्टार ने मौके का फायदा उठाया और एक वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर चौथे दौर में पहुंच गईं। राडुकानू ने नंबर 9 वरीयता प्राप्त मारिया सकारी पर 6-2, 6-3 से जीत के साथ विंबलडन के दूसरे सप्ताह में ब्रिटिश प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया।

सेंटर कोर्ट पर एक बंद छत के नीचे, 2021 यूएस ओपन चैंपियन राडुकानू ने 1 घंटे और 32 मिनट के खेल में नौवीं रैंकिंग वाली सकारी को पछाड़कर अपने घरेलू दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

वर्तमान में विश्व में 135वें स्थान पर रहीं, राडुकानू ग्रास-कोर्ट स्विंग के दौरान अपनी मजबूत फॉर्म बनाए हुए हैं - वह 2023 में चोटों और सर्जरी से उबरने के दौरान टूर्नामेंट से चूक गईं थीं।

सूर्यकुमार अगर वो कैच छोड़ देता तो उसे बाहर बिठा देता: रोहित शर्मा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शुक्रवार को 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। यह घोषणा यहां विधान भवन में की गई जहां भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को सम्मानित किया गया।

शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में टीम की चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा सूर्यकुमार के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में लिए गए शानदार कैच की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने सहयोगी टीम के सदस्य पारस म्हाम्ब्रे और अरूण कनाडे के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने मुंबई पुलिस की गुरुवार को विजय परेड के दौरान भीड़ प्रबंधन की भी सराहना की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी मौजूद थे। पवार ने कहा कि रोहत शर्मा ने स्पष्ट कर दिया कि वह टी 20 अंतरराष्ट्रीय में अब नहीं खेलेंगे। लेकिन जब भी हम एक टी 20 मैच देखेंगे , हम हमेशा आपको और आपकी टीम की उपलब्धियों को याद रखेंगे। फडनवीस ने रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता लेकिन साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी। उनका नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए लिखा जा चुका है। रोहित ने कहा कि फाइनल में टीम प्रयास से जीत मिली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुझे कहा कि इस तरह का आयोजन विधान भवन परिसर में कभी नहीं किया गया है।

इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर सपना सच हो गया। यह टीम प्रयास था। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से टीम प्रयास था। सूर्या ने सभी को कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उनके हाथ में आ गई। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो मैं उसे अगले मैच में बाहर बिठा देता। फाइनल में मैच का रूख बदलने वाला कैच लेने वाले सूर्यकुमार ने कहा कि मैं आप सभी से मिलकर खुश हूं। हमें कल और आज यहां विधान भवन में जो समर्थन मिला, मैं उसे कभी नहीं भुला पाऊंगा। दुबे ने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं महाराष्ट्र में रह रहा हूं। हम कल मिले स्वागत से अभिभूत हो गए।

ओलंपिक 2028 में खेलेंगे विराट और रोहित, राहुल द्रविड़ ने किया खुलासा!

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने 17 सालों के टी20 वर्ल्ड कप के इंतजार को खत्म किया और 4 जुलाई को भारत पहुंचे। जहां सबसे पहले वह भारत के प्रधानमंत्री से मिलने के लिए पीएम आवास पहुंचे।

इस दौरान पीएम मोदी ने टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके अनुभवों के बारे में जाना। प्रधानमंत्री से मिलने के लिए टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ भी पहुंचे थे। राहुल द्रविड़ ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 2028 ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियों के बारे में अपने विचार साझा किए

विराट ने जोड़ लिए हाथ

हेड कोच के इस बात से वहां बैठे सभी क्रिकेटर और पीएम मोदी को हंसने लगे क्योंकि पिछले हफ्ते वर्ल्ड कप फाइनल खत्म होने के बाद रोहित और विराट दोनों ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा की थी।

राहुल द्रविड़ ने कहा कि मोदीजी, हम क्रिकेटरों को ओलंपिक में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता, लेकिन अब क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनने जा रहा है। यह क्रिकेटरों, देश और क्रिकेट बोर्ड के लिए बहुत बड़ी बात होने जा रही है। हमें टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। और दूसरे खिलाड़ियों के साथ रहना, उनसे सीखना, बहुत अच्छी बात है।

राहुल का बड़ा बयान

इस दौरान राहुल द्रविड़ ने कुछ ऐसा कह दिया जिसे सुनकर वहां बैठा हर कोई हंस पड़ा। द्रविड़ ने ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के महत्व के बारे में बात की और कहा कि यह क्रिकेट के लिए गर्व की बात है। अपनी बातचीत के अंत में द्रविड़ ने कहा कि 2024 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी, जिनमें युवा रोहित और विराट भी शामिल हैं, 2028 ओलंपिक में भाग लेंगे।

मोहम्मद सिराज का हीरो की तरह वेलकम

● टी-20 वर्ल्ड चैंपियन के स्वागत में पूरा हैदराबाद शहर सड़कों पर उमड़ आया

हैदराबाद, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज पांच जुलाई को अपने होमटाउन हैदराबाद पहुंचे। इस दौरान मोतियों के शहर ने सिराज का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दाएं हाथ के इस स्टार तेज गेंदबाज ने पिछले महीने टी-20 विश्व कप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अपने लोकल हीरो का हैदराबाद के लोगों ने दिल खोलकर स्वागत किया। भारत की विश्व कप विजेता टीम में शामिल होने वाले हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े एकमात्र क्रिकेटर सिराज का स्वागत करने के लिए प्रशंसक बड़ी संख्या में उमड़ पड़े। मोहम्मद सिराज सिर्फ लीग स्टेज राउंड ही खेल पाए थे। सुपर-8 और नॉकआउट स्टेज के लिए वह प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने में असफल रहे, लेकिन तीन मैच में दो फील्डिंग मेडल और एक विकेट के साथ उनका योगदान नकारा नहीं जा सकता।

इंडिया विमेंस ने पहला टी-20 गंवाया

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका को टेस्ट और वनडे सीरीज में एकतरफा हराने के बाद इंडिया विमेंस टीम को पहले टी-20 में हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में शुक्रवार रात साउथ अफ्रीका को 12 रन से जीत मिली। साउथ अफ्रीका से ओपनर ताजमिन ब्रिट्ज ने 81, मारिजान कैप ने 57 और कप्तान लौरा वॉल्वार्ट ने 33 रन बनाए। टॉप ऑर्डर ने टीम का स्कोर 189 तक पहुंच दिया। जिसके जवाब में टीम इंडिया 4 विकेट गंवाकर भी 177 रन ही बना सकी। शतक चूकीं ब्रिट्ज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। सीरीज का दूसरा टी-20 मैच 7 जुलाई को चेन्नई में शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

इंडिया विमेंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। साउथ अफ्रीका से वॉल्वार्ट और ब्रिट्ज ने 7 ओवर में फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। 8वें ओवर में राधा यादव ने वोल्वार्ट को बोल्ड किया और ओपनिंग पार्टनरशिप तोड़ी। वोल्वार्ट ने 33 रन बनाए।नंबर-3 पर उतरीं अनुभवी ऑलराउंडर मारिजान कैप ने ओपनर ब्रिट्ज का साथ दिया। दोनों ने 12वें ओवर में ही टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया। ब्रिट्ज ने पूजा वस्त्राकर के खिलाफ 16वें ओवर में चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसी ओवर में कैप ने भी चौका लगाकर अर्धशतक पूरा कर लिया। 17वें ओवर में राधा यादव ने ही कैप को कैच आउट कराया, कैप ने 57 रन बनाए। इस विकेट के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी भी टूटी। इसी ओवर की आखिरी 2 गेंदों पर ब्रिट्ज ने 2 सिक्स लगाकर ओवर को बड़ा बना लिया।

आखिरी 3 ओवरों में ब्रिट्ज ने क्लो ट्रायन के साथ टीम का स्कोर 185 के पार पहुंचा दिया। ट्रायन ने 12 रन बनाए। वहीं ब्रिट्ज पारी की आखिरी बॉल पर 81 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को पूजा वस्त्राकर ने पवेलियन भेजा। टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 189 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने भारत को भी मजबूत शुरुआत दिलाई।

दोनों ने 5 ही ओवर में टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। अच्छी शुरुआत के बाद छठे ओवर में आयाबोंगा खाका ने शेफाली को कॉट बिहाइंड करा दिया। शेफाली ने 18 रन बनाए। दयालन हेमलता नंबर-3 पर उतरीं, लेकिन उन्होंने मंधाना पर ही दबाव बना दिया। अगले 5 ओवर में 5 ही चौके आए।

● साउथ अफ्री का 12 रन से जीता, टॉप ऑर्डर के सामने फ्लॉप रहीं इंडियन बॉलर्स

जंगल में फेंक दी गई पशुओं को लगाई जाने वाली वैक्सीन

पशुपालन विभाग का बड़ा कारनामा उजागर

पन्ना। पन्ना जिले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग का, बड़ा कारनामा उजागर हुआ है। पशुओं को बीमारी से बचाने चलाए जा रहे, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, एनएडीसीपी के तहत, कृषकों एवं पशुपालकों के गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं को, निशुल्क लगाई जाने वाली, भारी मात्रा में लाखों कीमती वैक्सीन जंगल में फेंक दी गई हैं। मामला बाराछ रोड का है, जहां भारी मात्रा में मुंह पका खुर पका एवं अन्य बीमारियों से बचाव करने वाली वैक्सीनों का ढेर देखा गया है। जिनमें कुछ एक्सपायरी डेट की, और कुछ अगस्त 2024 में एक्सपायर होने वाली वैक्सीन शामिल हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग पन्ना के, उपसंचालक डॉ डीपी तिवारी से संपर्क करने पर, उनके द्वारा बाहर होने का हवाला देकर बात करने से इनकार कर दिया, जबकि डॉ तिवारी कार्यालय में ही थे, जो कुछ देर में कलेक्ट्रेट जाने के नाम पर निकल गए। पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार को फोन करने पर, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, कई बार फोन करने पर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्र के द्वारा एसडीएम संजय नागवंशी से संपर्क करने की बात कही गई, लेकिन एसडीएम संजय नागवंशी अजयगढ़ में थे, इस प्रकार मामले में किसी के भी द्वारा जानकारी लेने या देने में रुचि नहीं दिखाई गई। पन्ना जिले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के, महत्वपूर्ण कार्यक्रम और योजनाएं, जमीन पर उतरने के बजाय कागजी खानापूर्ति तक सीमित बताई जा रही हैं। लाखों करोड़ों की वैक्सीन और दवाइयां, पशुपालकों को उपलब्ध कराने या पशुओं को लगाने के बजाय, इसी प्रकार कचरे में या जंगलों में फेंक दी जाती हैं। एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा, कृषि और पशुपालन को विशेष महत्व दिया जा रहा है, बजट में भी पशुपालन को तहत्व दिया गया है, ताकि कृषकों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाकर, उनके जीवन स्तर में बदलाव लाया जा सके, लेकिन कुछ लापरवाह अधिकारियों की वजह से, अधिकांश योजनाएं पशुपालकों से दूर हैं। इस संबंध में पशुपालकों से बात करने पर पता चला है कि, कुछ खास लोगों के पशुओं को ही वैक्सीन लगाई जाती है, आम साधारण पशुपालक और किसानों के पशुओं को, वैक्सीन नहीं लगाई जाती, जिससे बरसात के दौरान पशु मुंह पका, और खुर पका, जैसी बीमारियों के शिकार होकर बेमौत मर जाते हैं। सरकार द्वारा पशुपालकों के पशुओं का घर पहुंच कर इलाज करने पशुधन संजीवनी योजना चलाई गई है, जिसके तहत पशुपालक के 1962 पर कॉल करने पर, पशुधन संजीवनी वाहन से चिकित्सक के द्वारा मौके पर पहुंचकर, बीमार पशुओं का इलाज किया जाता है, लेकिन यह योजना भी कागजी खानापूर्ति तक सीमित है, और कुछ खास लोगों को ही इसका लाभ मिल पा रहा है। आम साधारण किसान और पशुपालक इस योजना के लाभ से भी वंचित हैं।

पन्ना जिले में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक, डॉ डीपी तिवारी की उदासीनता से, पशुओं के स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं कागजी खानापूर्ती तक सीमित बताई जा रही हैं। दवाइयां एवं वैक्सीन जंगलों में फेंकी जा रही हैं। पशुपालकों के द्वारा, मामले की संभाग या प्रदेश स्तरीय दूसरे विभागों के अधिकारियों की टीम से, जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपेक्षा की गई है, ताकि इस प्रकार की मनमानी धांधली और भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके।

दिव्यांग छात्रावास में किया पौधरोपण

पन्ना। प्रधान जिला न्यायाधीश भावना साधौ के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश हरप्रसाद बंशकार के निर्देशन में दिव्यांग छात्रावास पन्ना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय द्वारा विधिक साक्षरता शिविर सह पंच-ज अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रावास में निवासरत बच्चों से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, आहार एवं खेल कूद इत्यादि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर विधिक अधिकारों और विधिक सेवा योजना एवं चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 इत्यादि की जानकारी दी गई। इसके उपरांत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में छात्रावास में निवासरत बच्चों के साथ जामुन, अमरूद, शीशम, बबूल, आंवला इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते सहित छात्रावास प्रबंधक व लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य और छात्रावास एवं विधिक सेवा के कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

नेक व्यक्ति योजना के बारे में यातायात थाना प्रभारी ने दी जानकारी

दुर्घटना मे घायल को अस्पताल पंहुचाने वाले को मिलेगें पांच हजार

पन्ना

यातायात थाना प्रभारी नीलम लक्षकार द्वारा पन्ना शहर के नेशनल पब्लिक स्कूल में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को यातायात नियम संबंधी जानकारी देते हुए बतलाया कि गुड सेमेरिटन नेक व्यक्ति योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही है। योजना का उद्देश्य यह है कि मोटरयान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन वर अर्थात दुर्घटना होने के 1 घंटे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए अस्पताल ट्रामा केयर सेंटर ले जाने वाले आम जनता को प्रोत्साहन एवं प्रेरणा देना है। जो भी व्यक्ति घायल को 1 घंटे के भीतर अस्पताल मैं तत्परता से पहुंचाकर जान बचाता है उसे प्रोत्साहन राशि के रूप में पांच हजार की नगद राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा। उक्त योजना मे 10 प्रकरणों को मंत्रालय द्वारा चयनित किया जाता है, जिसमें एक लाख रुपये की राशि प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी परिवहन एवं राज्य मार्ग मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा दिया जाएगा। यातायात थाना प्रभारी नीलम लक्षकार ने बताया कि यह पूरा कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक साइ कृष्ण थोटा के मार्गदर्शन में पूरे जिले में चलाया जा रहा है। जिसमें यातायात संबंधी जानकारियां विद्यालय के छात्राओं को भली-भांति समझाइ जा रही हैं और उनको बताया जा रहा है कि वह अपने माता-पिता को भी समझाएं। जिससे लोगों में यातायात संबंधी जागरूकता आ सके। इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक महेश तिवारी प्रधान आरक्षक सुनील पांडे आरक्षक रवि करण राजपूत सहित नेशनल पब्लिक स्कूल की शिक्षक शिक्षिकाएं तथा विद्यालय के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नाले मे नहाने गई पांच बालिकाए पानी मे बही

दो की मौत, एक घायल, दो बाल बाल बचीं

पन्ना। जिले के सलेहा थाना अन्तर्गत कल्दा चौकी के ग्राम जुडा मडैयन के पिपरवाह टोला निवासी महिलाए तथा बच्चीयां नाला के पास स्थित झरना में नहाने एवं पानी भरने गई थी। जिसमें अचानक भारी पानी आ जाने के चलते सभी उसमें बह गई। जिसमें महिला तथा दो बच्चियां बच गई एवं दो की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पवई जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत घुटेही के जुडा मडैयन ग्राम के पिपरहा टोला में मुन्नी लाल आदिवासी के घर मे शादी समारोह था जिसमें सभी रिस्तेदार जुडें हुए थें। बारात गई हुई थी घर मे महिलाए थी गांव मे पानी न होने के चलते सभी लोग खजहा नाला के पास झिरिया मे नहाने जाते है, उस दिन भी पांच बच्चीयां झरना मे नहाने तथा पानी लेने के लिए गई थी। लेकिन अचानक नाला मे पानी आ गया जिसके चलते सभी तेज बहाव मे बह गई, किसी प्रकार दो बच्चियां तथा बच गई एवं तीन बह गई, एक ओर किसी प्रकार घायल होते हुए किनारे लग गई तथा दो की मौत हो गई। रब्बी बाई पिता मुन्नी लाल आदिवासी उम्र 14 वर्ष एवं सुमित बाई पिता मुन्नी लाल आदिवासी 22 वर्ष की मौत हो गई तथा हंसा बाई, सोना बाई, सहमति बाई बच गई है। जिसमे सहमति बाई को चोटे भी आई है। मृतको का पीएम स्वास्थ केन्द्र सलेहा मे कराया गया। उक्त घटना से गांव मे मातम का माहोल छाया हुआ है।

आरसेटी में बकरी पालन प्रशिक्षण का समापन

पन्ना। भारतीय स्टेट बैंक के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में गत दिवस दस दिवसीय बकरी पालन के नि:शुल्क प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस मौके पर 35 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर संस्था निदेशक अरविन्द कुमार गुप्ता, आजीविका मिशन के देवेन्द्र सक्सेना, आरसेटी फेकल्टी राजीव कुमार रजक द्वारा प्रोत्साहित कर प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। आरसेटी में गत 27 जून से 30 दिवसीय महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है।

बस संचालको की मनमानी, दिव्यांगो को किराया में नहीं दी जा रही छूट

महिलाओं के लिए भी सीटों के आरक्षण में बरती जा रही मनमानी

पन्ना। मध्य प्रदेश शासन द्वारा अनेक वर्गो को शासन के माध्यम से सुविधाए उपलब्ध कराई जाती है तथा बकायदा नियम लागू किये गये है। उसके बावजूद अनेक विभागो द्वारा जारी किये गये नियमो का पालन नही किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर परिवहन विभाग द्वारा दिव्यांगो के लिए मेडिकल बोर्ड से प्रमाण पत्र तथा कार्ड जारी किये जाते है। जिसमें प्रत्येक बस में दिव्यांगो के लिए पचास प्रतिशत किराये मे छूट का प्रावधान किया गया है तथा बैठने के लिए सीट भी आरक्षित की गई है। इसी प्रकार महिलाओ के लिए भी सभी बसो मे निर्धारित संख्या के अनुसार सीटे देने का प्रावधान है। लेकिन शासन के नियम के बावजूद अनेक बस संचालको द्वारा मनमानी की जा रही है तथा परिवहन विभाग के नियम कानून को नही माना जा रहा है। इसी प्रकार के मामलें को लेकर अधिमान्य पत्रकार एवं दिव्यांग लक्ष्मी नारायण चिरोलया ने कलेक्टर कार्यालय मे आवेदन देते हुए बताया कि मै दिनांक 30 जून 2024 को पन्ना से सागर विंध्याचल बस सर्विस ओम साईं राम की बस क्र. एम.पी. 15 पी.ए. 2977 सें सागर गया था तो मेरे द्वारा शासन द्वारा जारी दिव्यांग पास दिखाया गया था। लेकिन उक्त बस के कन्डेक्टर द्वारा उक्त पास को न मानते हुए पूरा किराया लिया गया तथा कहा गया कि यह प्रमाण पत्र हम नही मानते। ज्ञात हो कि उक्त बस सागर से अजयगढ चलती है। आवेदक ने संबंधित बस संचालक के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग जिला कलेक्टर से की है।

इनका कहना है

मध्य प्रदेश शासन परिवहन विभाग के नियम अनुसार दिव्यांग प्रमाण पत्र/कार्ड धारको को बस किराया में पचास प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान है, जिसका पालन करना अनिवार्य है, साथ ही महिलाओ के लिए बैठने की सीटो मे आरक्षण किया गया है, जिसका पालन सभी बस संचालको को करना होगा, जो नही करेगें उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

नन्दी लाल रैकवार परिवहन विभाग पन्ना

सचिव रामशिरोमणि द्विवेदी निलंबित, विभागीय जांच भी संस्थित

पन्ना। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघ प्रिय ने जनपद पंचायत गुनौर अंतर्गत ग्राम पंचायत सरहंजा के पंचायत सचिव रामशिरोमणि द्विवेदी को शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर निलंबित करने की कार्यवाही की है। साथ ही विभागीय जांच संस्थित कर जनपद पंचायत गुनौर सीईओ को जांचकर्ता अधिकारी और खण्ड पंचायत अधिकारी को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त कर एक माह के भीतर विभागीय जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में गुनौर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा सचिव के विरूद्ध की गई शिकायत के जांच के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया था कि सचिव रामशिरोमणि द्विवेदी द्वारा ग्राम पंचायत के मृत व्यक्तियों के मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर जारी नहीं किए जाते हैं। साथ ही संबल योजना के तहत हितग्राहियों को पेंशन जारी नहीं करने सहित ग्राम पंचायत के कार्य पूर्ण होने के उपरांत भी देयकों का भुगतान नहीं करने की शिकायत प्रमाणित पाई गई थी। जांच प्रतिवेदन के आधार पर सचिव को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन प्रस्तुत जवाब तथ्य अनुसार समाधानकारक नहीं पाए जाने पर सचिव को निलंबित किया गया है।

विद्यालयो के पास छात्रो के लिए नहीं है स्कूल वाहन

रिक्शे से असुरक्षित रूप से विद्यालय पंहुच रहे छात्र-छात्राए

पन्ना। पन्ना जिले मे शासकीय तथा निजी विद्यालयो में छात्र छात्राओ को लाने ले जाने के लिए स्कूल वाहन नही लगाये गये है तथा मनमाने ढंग से छात्र छात्राओं को रिक्शा एवं आटो के माध्यम से विद्यालयो तक भिजवाया जा रहा है, जिसके चलते कभी भी बडी दुर्घटनाए हो सकती है। इस व्यवस्था की ओर परिवहन विभाग, यातायात विभाग, शिक्षा विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकी ई रिक्शा एवं आटो में बच्चे सुरक्षित नही है। जबकी शासन के नियमानुसार प्रत्येक विद्यालय मे स्कूल वाहन होना चाहीए। जिसमें जीपीएस सिस्टम, अग्नि शामन यंत्र, ड्राइबर जो अधिकृत हो तथा अन्य प्रकार की शर्तो का परिवहन विभाग के अनुसार पालन होना चाहीए। लेकिन पन्ना जिले मे मनमाने ढंग से विद्यालय संचालित हो रहें है। शासन के नियम कानून का पालन नही किया जा रहा हैं। जबकी सभी शासकीय विभागो को जानकारी है, उक्त व्यवस्था मे तत्काल सुधार किया जाना चाहीए तथा नियमानुसार सभी विद्यालयो मे छात्र छात्राओ के लिए परिवहन वाहन उपलब्ध होना चाहीए।

इनका कहना है

पन्ना जिले के विद्यालयो मे शासन की गाईड लाईन का पालन नही किया जा रहा है, विद्यालयो मे स्कूली वाहन होना चाहीए, तथा शासन के नियमानुसार सभी सुविधाए होना चाहीए। आटो एवं ई रिक्शा मे छात्र छात्राओ को लाना नियमानुसार गलत है, तथा कभी भी खतरा हो सकता है, यातायात एवं परिवहन विभाग को इस मामले मे कार्यवाही करना चाहीए।

राजेश दीक्षित
अधिवक्ता जिला पन्ना

शादी समारोह मे रोटी को लेकर जमकर मारपीट

दोना पक्षो मे आधा दर्जन घायल, पुलिस ने किया मामला दर्ज

पन्ना

शादी समारोह मे अब रोटी खाने को लेकर मारपीट की घटनाए भी घटित होने लगी है, इसी प्रकार का मामला बेनी सागर मोहल्ला स्थित संकल्प मैरिज गार्डन मे शादी समारोह के दौरान हुए विवाद मे जमकर मारपीट हुई है। जिसमे दोनो पक्षो से आधा दर्जन लोग घायल हुए है। जानकारी के अनुसार संकल्प गार्डन मे यादव परिवार में शादी समारोह आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान खाना खाते समय रोटी लेने को लेकर एक दूसरे मे विवाद होने लगा तथा देखते ही देखते घूसे एवं कटार चलने लगी। सतना के धवारी मोहल्ला निवासी 62 वर्षीय चिरोंजे लाल यादव पिता महाबीर यादव ने शिकायत दर्ज कराई की मेरे नाती मोनू यादव निवासी जगात चौकी पन्ना का विवाह समारोह संकल्प मैरिज गार्डन मे चल रहा था। उसी दौरान खाना खाते समय रोटीयों के लिए लाईन लगी थी, सभी लोग रोटी लेने का प्रयास कर रहे थे, मै भी कतार मे खडा था उसी दौरान रानीगंज मोहल्ला निवासी सुशाल यादव, आशीष यादव, सतीश रैकवार के द्वारा गालिया देते हुए मारपीट कर दी तथा कटर से हमला भी किया गया। तो विनोद यादव, मंयक यादव, अजय यादव ने बीच बचाव किया। वहीं दूसरे पक्ष के सुशील यादव ने शिकायत दर्ज कराई है मेरे छोटे भाई आशीष को रोटी लेने के विवाद पर सतना से आये चिरोंजी लाल यादव, विनोद यादव, मयंक यादव के द्वारा मारपीट की गई है। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने दोनो ओर से मामला दर्ज कर लिया है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम स्थगित

पन्ना। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण-2024 का कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। गौरतलब है कि 28 जून को नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2024 का कार्यक्रम जारी किया गया था।

लाड़ली बहना योजना अंतर्गत पंजीकृत गैस कनेक्शनधारी महिला हितग्राहियों को 43 लाख 28 हजार रूपए से अधिक की सब्सिडी राशि जारी

पन्ना। पन्ना जिले में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत पंजीकृत गैस कनेक्शनधारी महिला हितग्राहियों को घरेलू गैस सेलेण्डर रिफिल 450 रूपए में कराने का प्रावधान है। निर्धारित राशि से अधिक की अंतर राशि महिलाओं के बैंक खाते में बतौर सब्सिडी प्रदान की जाती है। इस क्रम में आज पन्ना जिले की 32 हजार 147 गैस कनेक्शनधारी महिलाओं को 43 लाख 28 हजार 973 रूपए की सब्सिडी राशि बैंक खाते में अंतरित की गई। जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया ने बताया कि जिले में लाडली बहना योजना के पंजीकृत गैस कनेक्शनधारी महिलाओं की संख्या 88 हजार 419 है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गत मार्च माह में गैस रिफिल कराने वाली लाडली बहनों के खातों में आज टीकमगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सिंगल क्लिक के जरिए 477 रूपए की सब्सिडी राशि अंतरित की गई। मार्च माह में प्रति गैस रिफिल की दर 927 रूपए निर्धारित थी। जिले के 12 स्थानीय निकाय अंतर्गत लाड़ली बहना योजना के तहत पंजीकृत एलपीजी गैस कनेक्शनधारी महिलाओं की संख्या 88 हजार 419 है। इनमें जनपद पंचायत अजयगढ़ में पोर्टल पर 11 हजार 528, गुनौर में 18 हजार 490, पन्ना में 13 हजार 828, पवई में 17 हजार 697 तथा शाहनगर जनपद पंचायत में 17 हजार 503 महिलाएं हैं। इसी तरह नगर पालिका परिषद पन्ना में 4 हजार 23, नगर परिषद अजयगढ़ में 507, अमानगंज में 878, देवेन्द्रनगर में 959, गुनौर में 1 हजार 172, ककरहटी में 670 और नगर परिषद पवई में कनेक्शनधारी महिला हितग्राहियों की संख्या 1 हजार 164 है।

ट्रान्सफार्मर से फैला करेन्ट, गाय की मौत

पन्ना

बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आये दिन अनेक प्रकार की दुर्घटनाए हो रही है। कही तार टूट जाता है तो कही ट्रान्सफार्मर जल रहे है तथा ट्रान्सफार्मरो से करेंट भी फैल रहा है। इसी प्रकार का मामला पन्ना नगर के इन्द्रपुरी कालोनी स्थित शासकीय आर.पी. उत्कृष्ट विद्यालय के सामने लगे ट्रान्सफार्मर से अचानक करेंट फैल गया जिसकी चपेट मे एक बेजुबान गाय आ गई तथा उसकी मृत्यु हो गई। उक्त घटना की जानकारी स्थानीय लोगो ने तत्काल बिजली विभाग एवं नगर पालिका को दी है।

सात जुलाई को जगदीश स्वामी मंदिर से शुरू होगी यात्रा

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सांई कृष्ण एस थोटा के साथ 07 जुलाई को शुरू होने वाली ऐतिहासिक रथ यात्रा की तैयारी व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जगदीश स्वामी मंदिर पहुंचकर रथ यात्रा के संबंध में की जा रही तैयारियों की रूपरेखा और रथ यात्रा के मद्देनजर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में मंदिर समिति के सदस्यों तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। मंदिर में प्रसाद व भण्डारे एवं प्रसाद वितरण व्यवस्था तथा रथों की मरम्मत व रंगरोगन इत्यादि के बारे में भी पूछा। अधिकारीद्वय ने रथ यात्रा मार्ग का अवलोकन भी किया और यात्रा के दौरान सुचारू यातायात व्यवस्थाओं सहित श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा आवागमन के दृष्टिगत बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही महोत्सव के दौरान साफ-सफाई, पेयजल व विद्युत व्यवस्था, जनकपुर मेला परिसर में एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम की तैनाती व आवश्यक दवाईयों सहित डिस्पेंसरी स्थापना, होटल व ढाबों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच, पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था, आवश्यक रोड समतलीकरण इत्यादि के संबंध में भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रथ विश्राम स्थल लखूरन बाग एवं चौपड़ा व जनकपुर पहुंचकर प्रकाश, लाइट, पेयजल, सीसीटीवी कैमरा व नियमित साफ-सफाई व्यवस्थाओं के संबंध में भी जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह सहित तहसीलदार अखिलेश प्रजापति, लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी तथा मंदिर समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रविवार को रथ यात्रा पन्ना नगर से प्रारंभ होकर 09 जुलाई को जनकपुर पहुंचेगी। इस दौरान लखूरन बाग में रात्रि विश्राम होगा। 08 जुलाई को यात्रा लखूरन बाग से चौपरा तक जाएगी और रात्रि विश्राम पश्चात रथ यात्रा चौपरा से जनकपुर मंदिर तक पहुंचेगी। यहां टीका पूजन, आरती, स्वागत व धार्मिक कार्यक्रम उपरांत 10 जुलाई को जनकपुर मंदिर में यात्रा प्रवेश करेगी। 11 जुलाई को जनकपुर मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम और 12 जुलाई को कथा, पूजन, हवन एवं भण्डारा का कार्यक्रम होगा। 13 जुलाई को जगदीश स्वामी मंदिर से जनकपुर तक लक्ष्मी जी की सवारी निकाली जाएगी और जनकपुर से सवारी वापस पन्ना आएगी।

इसी तरह 14 जुलाई को जनकपुर से चौपरा तक रथ यात्रा की वापसी होगी और 15 जुलाई को चौपरा से लखूरन बाग तक रथ यात्रा का आगमन होगा। यहां रात्रि विश्राम पश्चात 16 जुलाई को लखूरन बाग से जगदीश स्वामी मंदिर तक रथ यात्रा वापस आएगी। मंदिर के बाहर लक्ष्मी जू का संवाद होगा और रात्रि विश्राम के बाद 17 जुलाई को सुबह 8 बजे जगदीश स्वामी मंदिर में प्रवेश और सात मूर्ति दर्शन के बाद कार्यक्रम संपन्न होगा।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ माँ के नाम का आवाहन किया है। रीवा जिला में भी एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है।

जिले में वृक्षारोपण महाअभियान में रोपित होंगे सात लाख पौधे

कलेक्टर ने आम का पौधा रोपित कर किया वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ

रीवा। जिले भर में 6 और 7 जुलाई को वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जा रहा है। एक पेड़ माँ के नाम के संकल्प के साथ जिले भर में पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इस अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजनता के सहयोग से जिले भर में पौधे रोपित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शासकीय कन्या महाविद्यालय में आम का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों तथा छात्राओं ने भी पौधारोपण किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती पाल ने कहा कि इस वर्ष की गर्मी ने हम सबको पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए सचेत किया है। लगातार पृथ्वी का बढ़ता तापमान पर्यावरण के साथ-साथ सभी जीवों के लिए बड़ा खतरा है। इसे नियंत्रित करने का एक मात्र उपाय यही है कि हम बड़ी संख्या में पौधे रोपित कर अपनी धरा को हरा-भरा बनाएं। साथ ही जो वृक्ष और वनस्पतियाँ हमारे आसपास उपलब्ध हैं उन्हें संरक्षित करें। वृक्षारोपण को अपना सामाजिक और प्राकृतिक कर्त्तव्य मानकर पूरा करें। वृक्षों का महत्व हमें अप्रैल से जून तक की भीषण गर्मी में भलीभांति समझ में आता है। कड़ी धूप में छोटा सा वृक्ष भी बड़ी शीतलता देता है। कलेक्टर ने कहा कि जिले भर में 30 जुलाई तक वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करे।

कलेक्टर ने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान में जिले में सात लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, तथा अन्य विभागों ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। जिले की चार पहाड़ियों को पौधे रोपित करके हरियाली की चादर ओढ़ायेंगे। किसान अपने खेतों की मेड़ पर फलदार और छायादार वृक्ष लगाएं। विद्यार्थी अपने शिक्षण संस्थान परिसर तथा घरों के आसपास पौधे रोपित करें। इन पौधों की एक साल तक देखभाल कर लेंगे तो इनका जीवन सुरक्षित रहेगा। पौधों का जीवन सुरक्षित रहा तो हमारा जीवन भी सुरक्षित रहेगा। जिनके पास जमीन नहीं है वे गमलों में ही छोटे पौधे रोपित करें। देश में सिक्किम ऐसा राज्य है जहाँ 83 प्रतिशत वन है। इसके बावजूद सिक्किम के हर घर में आपको आंगन और बालकनी में सुंदर पौधों के गमले अनिवार्य रूप से मिलेंगे। यह सिक्किम वासियों की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी तरह की प्रतिबद्धता से वृक्षारोपण संरक्षण का अभियान सफल होगा। समारोह में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि वृक्षारोपण करने के साथ हर व्यक्ति उनकी समुचित देखभाल करे। फलदार और छायादार पौधों को रोपित करें। श्रीमती त्रिपाठी ने महाविद्यालय को निकट भविष्य में रिक्त हो रहे जिला न्यायालय भवन को प्रदान करने की माँग रखी जिससे बेटियों की शिक्षा को बेहतर किया जा सके। समारोह में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि रीवा शहर में वृक्षारोपण के लिए 40 सुरक्षित स्थानों का निर्धारण कर लिया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में किया पौधारोपण

रीवा। जिले भर में चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान में लगातार पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इस क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रीवा महेन्द्र सिंह सिकरवार ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में पौधे रोपित किए। पुलिस महानिरीक्षक ने खिलाड़ियों और युवाओं को पौधरोपण की शपथ दिलाई। पुलिस महानिरीक्षक ने स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का निरीक्षण करके विभिन्न खेलों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम में संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरी, प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय श्रीमती महालक्ष्मी पाण्डेय, अधिवक्ता संजय शुक्ला तथा खिलाड़ियों ने भी पौधे रोपित किए।

वन स्टॉप सेंटर ने वृद्ध महिला को परिजनों से मिलाया

रीवा। महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से एक बुजुर्ग महिला अपने परिजनों से 10 दिन बाद मिल सकी। इस संबंध मे प्रशासक वन स्टॉप सेंटर (सखी) श्रीमती मनोज शुक्ला ने बताया कि विगत 4 जुलाई को सहायक संचालक महिला बाल विकास आशीष द्विवेदी द्वारा संभागायुक्त कार्यालय के समीप एक अज्ञात वृद्ध महिला के भटकने की सूचना दी गई थी। जिसे रेस्क्यू करने एवं अन्य सुविधा दिलाये जाने के निर्देश भी दिए गए थे। जिसके तुरंत बाद ही वन स्टॉप सेंटर के पदाधिकारी वृद्ध महिला को रेस्क्यू करने के लिए रवाना हुए। वृद्ध महिला को अग्रसेन चौक से रेस्क्यू कर वन स्टॉप लाया गया, जँहा उस वृद्ध महिला की प्रारंभिक चिकित्सकीय जांच करते हुए उसके परिजनों के बार में जानकारी जुटाई गई। वृद्ध महिला के बारे में जानकारी जुटाने के लिए सामाजिक न्याय विभाग से भी सम्पर्क किया गया। जिसके परिणामस्वरूप वृद्ध महिला के परिजनों का पता लगाया गया।

वृद्ध महिला ग्राम पंचायत सेमरिया के ग्राम कोल्हारू के विश्वकर्मा परिवार की है। वृद्ध महिला की मानसिक स्थित ठीक न होने के कारण वह अक्सर घर से पलायन कर जाती है। परिजनों से मिल कर महिला ने वन स्टॉप सेंटर का धन्यवाद किया साथ ही महिला के परिजनों ने भी नम आँखों से सभी कर्मचारियों का धन्यवाद किया। इस कार्य में महिला एवं बाल विकास विभाग की सुमन नामदेव, क्षितिज तिवारी, रेखा चतुर्वेदी, शिवानी द्विवेदी, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक अनिल दुबे एवं मृगेन्द्र श्रीवास्तव तथा वन स्टॉप सेंटर के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हनुमना के स्वास्थ्य सूचकांकों को शत-प्रतिशत पूरा करें : डॉ गौतम

रीवा। मऊगंज जिले का हनुमना विकासखण्ड आकांक्षी विकासखण्ड योजना में शामिल है। हनुमना विकासखण्ड में 30 सितम्बर तक नीति आयोग द्वारा निर्धारित 6 बिन्दुओं पर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केबी गौतम ने हनुमना में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में कहा कि नीति आयोग द्वारा निर्धारित हनुमना विकासखण्ड के स्वास्थ्य सूचकांकों को शत-प्रतिशत पूरा करें। छूटे हुए सभी शिशुओं का संपूर्ण टीकाकरण कराएं। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन करके उन्हें समय पर स्वास्थ्य जाँच तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से पूरक पोषण आहार प्रदान करें। डॉ गौतम ने कहा कि आकांक्षी विकासखण्ड में संपूर्णता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर मंगल भवन में निश्शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में आने वाले सभी व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जाँच करें। जाँच में किसी भी तरह की बीमारी के लक्षण पाए जाने पर पीड़ित को समुचित उपचार दें। मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। शिविर में आने वाले सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाएं। डॉ गौतम ने सभी ग्रामों में दवाओं के भण्डारण, वर्षाजनित रोगों से बचाव, परिवार कल्याण कार्यक्रम तथा गर्भवती महिलाओं के देखभाल के संबंध में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए। बैठक में संभागीय समन्वयक पवन बारी, जिला समन्वयक सूर्या पाठक, बीएमओ डॉ नागेन्द्र मिश्रा, एएनएम तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित, महाविद्यालय में संचालित योजनाओं और पाठ्यक्रमों की दी जानकारी

रीवा। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार पेंटियम पॉइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज के करहिया परिसर में 1 से 3 जुलाई तक दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नए परिवेश में सहज महसूस कराने,उनमें संस्थान की विशिष्ट प्रकृति तथा संस्कृति को सिखाने,अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संबंध बनाने तथा उन्हें व्यापक उद्देश्य तथा स्वयं की खोज की भावना से परिचित कराने के उद्देश्य से दीक्षारंभ समारोह का उद्देश्य रहा।कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के मुख्य प्रबंध संचालक बीएन त्रिपाठी ने नव प्रवेशित छात्रों को अपना लक्ष्य बनाने के लिए नैतिक ज्ञान की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्राध्यापकों ने छात्राओं को अपने-अपने विषयों के बारे में तथा कॉलेज की अन्य गतिविधियां जैसे एनसीसी, एनएसएस, ड्रेस, कॉलेज का अनुशासन आदि सभी विषयों के बारे में विस्तार से बताया। दीक्षा आरंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला द्वारा की गई तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ.राकेश तिवारी द्वारा किया गया। प्राध्यापकों ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया। साथ ही सभी शैक्षणिक स्टाफ ने अपना परिचय दिया और पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम सहित विभिन्न जानकारियां दी। इस दौरान नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को नवीन सत्र में विद्या वन के अंतर्गत परिसर एक-एक पौधा लगाने और आगामी तीन वर्षों तक उनकी देखभाल करने की अपील की।दीक्षारंभ कार्यक्रम में कॉलेज का समस्त स्टाफ मनोज गुप्ता, रवि प्रकाश गुप्ता, संजीव शुक्ला, डॉ.अर्चना पटेल, आनंद अग्निहोत्री, सरस्वती शुक्ला, एवं अन्य स्टाफ तथा नव प्रवेश छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

वृक्षारोपण अभियान की मॉनीटरिंग के लिए अधिकारी तैनात

रीवा। जिले भर में वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सात लाख से अधिक पौधे रोपित किए जाएंगे। रीवा नगर निगम क्षेत्र में अभियान के तहत 38 प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में पौधे रोपित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने वृक्षारोपण अभियान की मॉनीटरिंग के लिए अधिकारियों की तैनाती की है। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी को टीआरएस महाविद्यालय, कन्या महाविद्यालय, न्यू साइंस कालेज, मॉडल साइंस कालेज, विधि महाविद्यालय तथा संस्कृत महाविद्यालय में पौधारोपण की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय को पशु चिकित्सा महाविद्यालय, कृषि महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कालेज, शिक्षा महाविद्यालय तथा पॉलिटेक्निक कालेज में तैनात किया गया है। संयुक्त कलेक्टर डॉ अनुराग तिवारी को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय आयुर्वेद महाविद्यालय, जेएनसीटी कालेज, शासकीय मार्तण्ड उमावि क्रमांक दो एवं डिप्टी कलेक्टर श्रेयश गोखले को उमावि गोड़हर, हाईस्कूल समान, उमावि करहिया तथा शासकीय मार्तण्ड उमावि क्रमांक तीन में तैनात किया गया है।

कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर वैशाली जैन को केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक दो, संयुक्त संचालक पशुपालन कार्यालय, दृष्टिबाधित विद्यालय तथा जमुना प्रसाद शास्त्री नेत्रहीन विद्यालय की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त कलेक्टर आरके सिन्हा को बिलाबाग स्कूल, गुरूकुल स्कूल, उमावि निपनिया, जिला होमगार्ड कार्यालय, उमावि बदरांव तथा संत निरंकारी ट्रस्ट की जिम्मेदारी दी गई है। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे को सरदार पटेल संस्थान निराला नगर, मड़फेश्वर महादेव मंदिर चोरहटा, विश्वविद्यालय स्टेडियम हाईस्कूल दुआरी, पिछड़ावर्ग छात्रावास परिसर, गायत्री शक्तिपीठ तथा ब्राम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण की मॉनीटरिंग के लिए तैनात किया है। कलेक्टर ने कहा है कि सभी अधिकारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 जुलाई से 30 जुलाई तक व्यवस्थित रूप से पौधे रोपित कराएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने दस्तक अभियान का लिया जायजा

रीवा। जिले भर में 27 अगस्त तक दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच करने के साथ उन्हें विटामिन ए का घोल पिलाया जा रहा है। जाँच के दौरान विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त चिन्हित बच्चों को समुचित उपचार भी दिया जा रहा है। अभियान के दौरान शिशुओं के सम्पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ बसंत अग्निहोत्री ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों का दौरा करके दस्तक अभियान का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से अभियान की जानकारी ली। उन्होंने घरों में जाकर महिलाओं से उनके शिशुओं के टीकाकरण तथा स्वास्थ्य जाँच की जानकारी ली।

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने टी 20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं दी

रीवा। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य प्रीति आर्या के नेतृत्व में संस्था माध्यम से टी 20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप जीतने पर संस्था पदाधिकारियों ने नैनीताल जिला हल्द्वानी में तिरंगा झंडा लहराकर भारत माता की जयकारों के साथ हर्ष उल्लास मनाकर भारतीय क्रिकेट टीम सहित देशवासियों को वर्ल्ड कप जीत की मंगलमय शुभकामनाएं दी

इस दौरान एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू सदस्य मनीष साहू ने संयुक्त रूप से कहा कि भगवान के आशीर्वाद से भारतीय क्रिकेट टीम ने ज्ञ20 वर्ल्ड कप जीतकर पूरे भारत देश को नई उमंग उत्साह के साथ खुशी से भर दिया है जिसके लिए भारतीय क्रिकेट टीम की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने लगभग हारे हुए मैच को अपने शानदार प्रदर्शन से जीत में परिवर्तन कर दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर विजयी विश्व तिरंगा प्यारा विश्व में लहराकर क्रिकेट जगत के इतिहास में स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित कर भारत का नाम विश्व में रोशन किया है जो युगों युगों तक भारतीय क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का मार्ग बना रहेगा इस शानदार ऐतिहासिक जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम सहित सभी देशवासियों को मंगलमय शुभकामनाएं

इस दौरान हर्ष उल्लास मनाकर शुभकामनाएं देने में एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू उपाध्यक्ष लोकेश कुमार साहू महामंत्री चिरौंजी लाल प्रीति आर्या समाजसेवी हेमन्त साहू सूरज मिस्त्री दीपक कुमार सुशील राय मनीष साहू निखिल कुमार सुशीला देवी नवल आर्या रितिक साहू रोहतास प्रजापति अंकित वाल्मीकि राजवीर सिंह करण बिष्ट निलेश गुप्ता अमन कुमार सूरज कुम्हार मुकेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

कमिश्नर 9 जुलाई को करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद 9 जुलाई को संभागीय बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में दोपहर एक बजे आरंभ होगी। बैठक में प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार, शासकीय सेवकों के कार्यों के मूल्यांकन, शासकीय सेवकों को नए कानूनों की जानकारी देना, एयर एंबुलेंस के उपयोग के संबंध में निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में कमिश्नर पशुओं के टीकाकरण, वर्षाजनित रोगों से बचाव, कृषि आदान तथा बाढ़ एवं अतिवृष्टि से राहत और बचाव की तैयारियो की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पांच स्कूल बसों पर सुरक्षा मानको के सही नहीं होने पर की गई चालानी कार्यवाही

रीवा। परिवहन विभाग के द्वारा शैक्षणिक सत्र सुरू हो जाने से स्कूल बसों की लगातार चेकिंग की जा रही है।परिवहन विभाग बसों पर लगे सुरक्षा मानको की विशेष रूप से जांच कर रहा है। जिसमें बसो पर लगे कैमरे, अग्निशमन यंत्र, पैनिक बटन ,स्पीड गवर्नर,फ़ास्टेड बॉक्स की विशेष जाँच की जा रही है।जांच में डीआरएस पब्लिक स्कूल की एक बस जो बिना दस्तावेज के जप्त की गई थी जिसे स्कूल परिषर में ही खड़ा कराया गया था, जिसके दस्तावेज स्कूल प्रबंधन ने जल्द ही सही करा लिए और पुनः जाँच करने गई परिवहन विभाग की टीम ने उसके दस्तावेजो को जांच में सही पाया जिसे रिलीज़ कर दिया गया।जाँच में बसों के कैमरे सही नहीं थे जिस कारण दो बसो पर दो हज़ार रुपये का चालान काटा गया।वही दूसरी तरफ़ गोविन्दगढ़ खंदो मार्ग पर स्थित जिनियस पब्लिक स्कूल की तीन बसों पर कैमरे, अग्निशमन यंत्र सही नहीं पाये गये, जिस कारण परिवहन विभाग ने उन तीनो बसों पर चालानी कार्यवाही करते हुए तीन हज़ार रुपयों का शमन शुल्क लगाया और दोनों स्कूल प्रबंधन को स्कूल बसों की सारी कमिया तुरंत सुधार करवाने के निर्देश दिये।रीवा कलेक्टर के दिये गये निर्देशानुसार परिवहन विभाग लगातार स्कूल बसों की चेंकिंग कर रहा है। सभी स्कूल बस संचालकों को जांच कार्यवाही की खबर दैनिक समाचार पत्रो के माध्यम से भी दी जा रही है। सभी लोग अपनी बसों के दस्तावेज सही कराकर ही छात्रो का परिवहन करे।जिन स्कूल बसों के दस्तावेज इसके पश्चात भी सही नहीं पाये जायेंगे उन बसों को जप्त कर मोटरयान कर की चार गुना शास्ति अधिरोपित की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833